छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 22 ■ अम्बिकापुर, शनिवार 10 जनवरी 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

तहसील कार्यालय में रिश्वतखोरी की हद पार, सरकारी फीस से 50 गुना की मांग

आहत ग्रामीण धरना देकर कहा-भीख मांगकर रिश्वत दूं तब होगा काम

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। लगातार विवादों और भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरा स्थानीय तहसील कार्यालय एक बार फिर शर्मनाक कारनामों के कारण सुर्खियों में है। इस बार तहसील में पदस्थ बाबू और चौकीदार पर खुलेआम रिश्वतखोरी का गंभीर आरोप लगा है। चौकीदार का रिश्वत लेते हुए वीडियो भी सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा है।

जानकारी के मुताबिक टांगरमहरी निवासी दीपक यादव ने अधिकार अभिलेख सेटलमेंट जैसे आवश्यक दस्तावेज निकलवाने के लिए लोक सेवा केंद्र में नियमानुसार आवेदन किया और सरकारी फीस जमा कर तय तिथि पर तहसील कार्यालय पहुंचा। जैसे ही वह दस्तावेज लेने बाबू के पास पहुंचा, तहसील में पदस्थ बाबू शिवनंदन पैकरा ने दस्तावेज देने के एवज में 500 रुपये की अवैध मांग कर दी। युवक ने रिश्वत देने से इन्कार किया तो उसका काम रोक दिया गया। भ्रष्टाचार से आहत युवक ने शुक्रवार को तहसील कार्यालय के सामने धरना देकर प्रशासन को खुली चुनौती दे दी। युवक का कहना है कि तहसील कार्यालय में 500 रेट फिक्स है और इसके पुख्ता सबूत उसके पास वीडियो के रूप में मौजूद हैं। उसने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि "सरकारी फीस 10 रुपये है, लेकिन काम कराने के लिए 500 रुपये चाहिए। मेरे पास 200 ही है, बाकी 300 भीख मांगकर रिश्वत दूं, तभी काम होगा।"

चौकीदार का रिश्वत लेते वीडियो वायरल

मामला यहीं नहीं थमा, तहसील कार्यालय में पदस्थ चौकीदार द्वारा पैसे लेने का वीडियो भी वायरल हो गया है। वीडियो में साफ तौर पर देखा जा सकता है कि जहां नकल दस्तावेज दिए जाते हैं, वहां खड़ा चौकीदार 'नकल देने' के एवज में खुलेआम पैसे वसूल रहा है और दस्तावेज देने की बात कर रहा है। सरकारी कार्यालय में इस तरह की खुली रिश्वतखोरी ने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब देखना यह है कि वायरल वीडियो और युवक के आरोपों के बाद जिम्मेदारों पर क्या कार्रवाई होती है या फिर यह मामला फाइलों में दबकर रह जाएगा।

> सामने आए मामले की जांच कराई जाएगी, और जांच के उपरांत दोषियों पर कार्रवाई होगी।
>
> **चेतन बोरघरिया**
> **अपर कलेक्टर**

एनएच में मिनी ट्रक की ठोकर से घायल स्कूटी सवार एक छात्र की मौत

शहर के शंकरघाट स्थित मुक्तिधाम में गमगीन माहौल में हुआ अंतिम संस्कार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। राष्ट्रीय राजमार्ग 43 पर गुरुवार की दोपहर ग्राम पंचायत संजयनगर स्थित पिलखा ढाबा के सामने हुए सड़क हादसे में स्कूटी सवार दो छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिसमें से एक की मौत रायपुर ले जाते समय रास्ते में हो गई। दूसरे की स्थिति गंभीर बनी हुई है, उसका इलाज चल रहा है। घटना से स्वजन शोकाकुल हैं। मृत छात्र का अंतिम संस्कार शुक्रवार को दोपहर बाद शहर के शंकरघाट स्थित मुक्तिधाम में किया गया।

जानकारी के अनुसार मनेन्द्रगढ़ रोड अंबिकापुर स्थित रावत रेसिडेंस कॉलोनी निवासी 16 वर्षीय अर्जुन सिंह रावत पिता हर्ष सिंह रावत अपने दोस्त रुद्रांश जायसवाल के साथ स्कूटी क्रमांक सीजी 15 सीवाई 3008 से गुरुवार की दोपहर जयनगर की ओर गया था। दोनों वापस लौट रहे थे, तभी अंबिकापुर से बिश्रामपुर की ओर जा रही तेज रफ्तार मिनी ट्रक क्रमांक सीजी 15ईएच 8857 का चालक लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए स्कूटी को सामने से जोरदार टक्कर मार दिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि मिनी ट्रक की रफ्तार काफी तेज थी। टक्कर लगते ही स्कूटी सड़क पर फेंका गई और दोनों छात्र सड़क पर गिर गए थे। हादसे में रुद्रांश जायसवाल को अंदरूनी चोटें आई है, लेकिन अर्जुन रावत के सिर में गंभीर चोट लगी थी, उसे स्वजन रायपुर लेकर जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई, रूद्रांश का इलाज चल रहा है। मृत अर्जुन सिंह रावत का अंतिम संस्कार शुक्रवार को दोपहर बाद शहर के शंकरघाट स्थित मुक्तिधाम में किया गया।

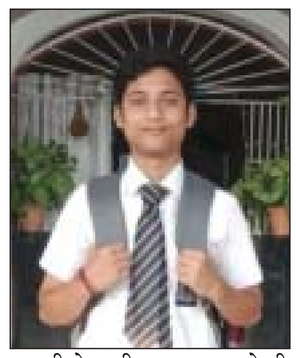

ट्रक की चपेट में आए ऑटो चालक की दर्दनाक मौत

अंबिकापुर-बनारस मार्ग में चठिरमा चौक के पास ट्रक ने ऑटो को टक्कर मार दी। दुर्घटना में ट्रक के पहिए के नीचे ऑटो चालक आ गया और उसकी दर्दनाक मौत हो गई। गांधीनगर थाना पुलिस ने दुर्घटनाकारित वाहन को जब्त कर लिया है और मामले की विवेचना कर रही है। जानकारी के अनुसार विकास पासवान झारखंड का रहने वाला है, वह अंबिकापुर स्थित गंगापुर में अपने जीजा के घर रहकर ऑटो चलाता था। गुरुवार को वह ऑटो क्रमांक सीजी 15 ई 0434 से सवारी छोड़ने चठिरमा गया था। चठिरमा चौक के पास ऑटो को मोड़ रहा था, तभी बनारस चौक की ओर आ रहे तेज रफ्तार ट्रक क्रमांक एचआर 69सी 9267 के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए ऑटो को टक्कर मार दी। हादसे में ऑटो का चालक विकास ट्रक के पहिए के नीचे आ गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के शव को मेडिकल कॉलेज अस्पताल के मर्च्युरी में रखवाया है, और झारखंड से स्वजन के आने का इंतजार कर रही है।

कांग्रेस का अखिल भारतीय मनरेगा बचाओ संग्राम आज से

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मनरेगा की पुन: बहाली की मांग को लेकर कांग्रेस का अखिल भारतीय मनरेगा बचाओ संग्राम 10 जनवरी से प्रारंभ हो रहा है। मनरेगा को समाप्त कर मोदी सरकार के द्वारा प्रस्तुत नयी योजना को ग्रामीण मजदूरों के हितों पर कुठाराघात बतलाते हुए कांग्रेस ने पूरे देश में 45 दिनों के आंदोलन की घोषणा की है, जो 10 जनवरी से प्रारंभ होकर 25 फरवरी तक चलेगा।

इसके तहत 10 जनवरी को जिला स्तर पर प्रेस कॉन्फ्रेंस और 11 जनवरी को महात्मा गांधी या बाबा साहेब की प्रतिमा के सम्मुख एक दिवसीय उपवास और प्रतीकात्मक विरोध किया जाएगा। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के द्वारा सरगुजा जिले में प्रेसवार्ता के लिए पूर्व केबिनेट मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह को अधिकृत किया है। 11 तारीख को जिला मुख्यालय अंबिकापुर में पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मनरेगा मजदूरों के साथ एआईसीसी सचिव और छत्तीसगढ़ की सहप्रभारी जरिता लैतफलांग के नेतृत्व में कार्यक्रम होगा। 12 जनवरी से 29 जनवरी तक कांग्रेस मनरेगा को लेकर गांवों में सघन जनसंपर्क अभियान चलाएगी। 30 जनवरी को वार्ड और ग्राम स्तर पर धरने के कार्यक्रम होगा, जबकि 31 जनवरी से 6 फरवरी तक जिला स्तरीय धरना होगा। 7 से 15 फरवरी के मध्य राज्यों में विधानसभा का घेराव होगा। 16 से 25 फरवरी के मध्य एआईसीसी क्षेत्रवार रैलियां आयोजित करेगी। मनरेगा मजदूरों के हित मे पूरे आंदोलन को गंभीरता से करने के लिये राज्य, जिला ब्लॉक के लिए प्रभारियों की नियुक्ति करने के साथ ही साथ समन्वय समिति गठित किया जा रहा है।

दो साल निरंतर सेवा निरंतर विकास कार्यक्रम 11 को

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शासन के 2 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जनसंपर्क विभाग द्वारा 11 जनवरी को शाम 4.30 बजे से अंबिकापुर के कला केंद्र मैदान में '2 साल निरंतर सेवा निरंतर विकास' कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसमें सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए फन एक्टिविटी, डांस, म्यूजिक, प्रश्नोत्तरी सहित अन्य प्रतियोगिताएं होंगी। विजेता प्रतिभागियों को आकर्षक उपहार भी प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम में नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील की गई है।

एयरपोर्ट के अधिकारियों को कागजी विमान सौंपकर आक्रोश का इजहार

मां महामाया एयरपोर्ट दरिमा में ठप हो चुकी विमानन सेवाओं को प्रारंभ कराने विरोध प्रदर्शन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मां महामाया एयरपोर्ट दरिमा में ठप हो चुकी विमानन सेवाओं को पुन: प्रारंभ कराने की मांग को लेकर शुक्रवार को जिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस और एनएसयूआई के संयुक्त प्रतिनिधि मंडल ने दरिमा स्थित एयरपोर्ट पर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान एयरपोर्ट के अधिकारियों को कागज का जहाज देकर आक्रोश का इजहार किया गया।

पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव के निर्देश पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन करते हुए संबंधित अधिकारियों को प्रतीकात्मक रूप से कागज का विमान सौंपकर शासन-प्रशासन की उदासीनता के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया। उल्लेखनीय है कि दरिमा स्थित मां महामाया एयरपोर्ट का निर्माण वर्ष 2023 में तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने लगभग 50 करोड़ की लागत से कराया था। इस एयरपोर्ट पर पूर्व उपमुख्यमंत्री के सकारात्मक प्रयासों के फलस्वरूप दिसंबर 2024 में व्यवसायिक विमान सेवा प्रारंभ हुई। कांग्रेस शासनकाल में 1950 में बने दरिमा एयरपोर्ट का जीर्णोद्धार कर इसे 72 सीटर विमान के परिचालन योग्य बनाया गया, लेकिन यहां 72 सीटर विमान के बजाय 19 सीटर विमान का परिचालन शुरू हुआ, जो लगातार अनियमित और बेहद महंगी विमान सेवा उपलब्ध करा रहा था। नियमित सेवा के लिए पूर्व उपमुख्यमंत्री सिंहदेव ने रूट और विमानन क्षमता को लेकर कई सुझाव दिए थे, लेकिन इस पर अमल नहीं होने के कारण अंतत: दरिमा एयरपोर्ट पर प्रारंभ हुई विमान सेवा 6 माह में ही ठप पड़ गई। विरोध प्रदर्शन करने वाले कांग्रेस नेताओं ने संयुक्त बयान जारी कर कहा कि मां महामाया एयरपोर्ट क्षेत्र की जनता के लिए आवागमन का एक महत्वपूर्ण साधन है, लेकिन लंबे समय से उड़ान सेवाएं बंद रहने के कारण आम नागरिकों, व्यापारियों, विद्यार्थियों और मरीजों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। एयरपोर्ट की उपेक्षा से क्षेत्र के आर्थिक, सामाजिक और औद्योगिक विकास पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। प्रदर्शनकारियों ने सरकार से मांग की, कि तत्काल प्रभाव से दरिमा एयरपोर्ट की विमानन सेवाएं बहाल की जाएं, ताकि सरगुजा अंचल को हवाई संपर्क का लाभ मिल सके। कांग्रेस प्रतिनिधि मंडल ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र सकारात्मक कदम नहीं उठाए गए तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। विरोध प्रदर्शन में प्रमुख रूप से आलोक सिंह, रजनीश सिंह, उत्तम रजवाड़े, नीतीश चौरसिया, विकल झा, सतीश बारी, राजन सिंह, शिवराज सिंह, हिमांशु अग्रवाल, आकाश अग्रहरि, आकाश यादव, ऋषिकेष मिश्रा, संजर नवाज, लोलर सिंह, रजत पाण्डेय के साथ ही दरिमा ब्लॉक कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष नारद गुप्ता, उमाशंकर, परमेंद्र, संजू कश्यप, राम प्रकाश सिंह, नरेंद्र गुप्ता, राकेश सोनी, दीपक जायसवाल, रामप्रकाश सिंह, विनोद राजवाड़े, अंबिका दास सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

अजिरमा बाजार से मजदूर का मोटरसायकल चोरी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। गांधीनगर थाना क्षेत्र के ग्राम अजिरमा बुधवारी बजार के पास खड़ी मोटरसायकल को अज्ञात लोगों ने चोरी कर लिया।

मजदूरी का काम करने वाले संजय कुमार सिंह पिता जैन प्रसाद, निवासी ग्राम आमगांव, राघवपुरी ने रिपोर्ट दर्ज कराया है कि 7 जनवरी को शाम लगभग 6 बजे वह अजिरमा बुधवारी बाजार में पानी टंकी के बगल में खड़ा करके सामान खरीदने गया था, वापस आया तो मोटरसायकल नहीं था। बाजार के आस-पास काफी तलाश करने के बाद भी मोटरसायकल क्रमांक सीजी 15 सीआर 1503 का पता नहीं चला। पुलिस केस दर्ज करके अग्रिम जांच, कार्रवाई कर रही है।

धान खरीदी में लापरवाही, गेरसा के प्रभारी अधिकारी हटाए गए

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 अंतर्गत धान खरीदी कार्य में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा सतत निगरानी की जा रही है। इसी क्रम में आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित गेरसा में कलेक्टर अजीत वसंत ने 7 जनवरी को आकस्मिक निरीक्षण किया था।

निरीक्षण के दौरान विपणन संघ के नए बोरे में भरे हुए धान के नाप-तौल के समय गंभीर अनियमितता पाई गई। फड़ प्रभारी की लापरवाही के कारण एक बोरे में 35.600 किलोग्राम धान पाया गया, जो निर्धारित मानक के अनुरूप नहीं था। इसके बाद कलेक्टर ने धान खरीदी प्रभारी को हटाने के निर्देश दिए थे। अनियमितता को गंभीरता से लेते हुए समिति द्वारा तत्काल प्रभाव से धान खरीदी कार्य से धान खरीदी प्रभारी सुमित गुप्ता को पृथक कर दिया गया है। साथ ही समिति के कंप्यूटर ऑपरेटर देव चरण सिंह को धान खरीदी प्रभारी नियुक्त किया गया है। कलेक्टर ने स्पष्ट किया है कि धान खरीदी कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही, अनियमितता स्वीकार नहीं की जाएगी, दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने सभी समितियों को निर्धारित मापदंडों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

वनकर्मियों से मारपीट के मामले में अपराध दर्ज

छ.ग.फ्रंटलाइन वाड्रफनगर। वन विभाग के द्वारा अतिक्रमण हटाने की जा रही कार्रवाई के दौरान शासकीय कार्य में अवरोध उत्पन्न करते हुए विभागीय कर्मचारियों से गालीगलौज और मारपीट करने के मामले में पुलिस ने चार लोगों के विरूद्ध केस दर्ज किया है। वन रक्षक परिसर रघुनाथनगर व ग्राम चंवरसरई में वन रक्षक के पद पर पदस्थ पियुष कुमार पटेल व राकेश कुमार बेक ने रिपोर्ट दर्ज कराया है कि 07 जनवरी को वन कक्ष कमांक पी-651 पण्डरी केनवारी पारा में अवैध अतिक्रमण हटाने के लिए दोपहर करीब 12.30 बजे रेंजर शिवनाथ ठाकुर के साथ गए थे। इस दौरान ग्राम पंचायत हरिगवां, मंगरहरटोला निवासी परमेश्वर पिता सुन्दर कुशवाहा, रामसागर, प्रेमसागर, शिवसागर, तीनों पिता सुभाष साहू के गाली-गलौज करते हुए मारपीट करने लगे और वर्दी फाड़ दिए। इनके द्वारा अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया गया। रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध बीएनएस की धारा 115(2), 121, 296, 3(5) का मामला दर्ज कर लिया है।

छात्राओं से वापस मंगाई गुणवत्ताहीन सरस्वती साइकिलें दुबारा बांटीं जाएंगी अच्छी साइकिल

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरस्वती साइकिल योजना के तहत सरगुजा जिले में गुणवत्ताहीन साइकिलें बांट दी गईं। सीतापुर विधायक ने इसपर कड़ाई की तो अब साइकिलों को छात्राओं से वापस जमा कराया जा रहा है। छात्राओं को बांटने के लिए नई साइकिलें भी आ गई हैं, जिन्हें दुबारा बांटा जाएगा। सरगुजा डीईओ ने बताया कि साइकिलों का भुगतान रोका गया है। जानकारी के मुताबिक, सरगुजा जिले के मैनपाट ब्लॉक में सरस्वती योजना के तहत बांटी गई साइकिलों को वापस स्कूलों में जमा कराया जा रहा है। स्कूलों के प्रिंसिपल छात्राओं को फोन कर साइकिलें जमा करने का निर्देश दे रहे हैं। इस संबंध में मैनपाट बीईओ ने भी साइकिलों को वापस जमा करने का निर्देश जारी किया है। पहले जो साइकिलें बांटी गईं, वे गुणवत्ता में खरी नहीं हैं।

विधायक की नाराजगी के बाद दुबारा मिलेगी साइकिलें

सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो ने सरस्वती साइकिलों की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए नाराजगी जताई तो साइकिलों का भुगतान रोक दिया गया। बतौली में सरस्वती साइकिल योजना के तहत वितरण कार्यक्रम में पहुंचे विधायक रामकुमार टोप्पो ने घटिया साइकिलों को देखकर उनका वितरण करने से इनकार कर दिया था और विधानसभा क्षेत्र में अच्छी गुणवत्ता की साइकिलें बांटने का निर्देश दिया। विधायक की नाराजगी के बाद जहां साइकिलें वितरित नहीं हुई थीं, वहां वितरण नहीं किया गया, लेकिन इसके पहले मैनपाट एवं सीतापुर ब्लॉकों में अधिकांश स्थानों पर साइकिलें बांट दी गई थीं। अब छात्राओं को बांटी गई साइकिलों को वापस मंगाया जा रहा है

छात्राओं को मिलेगी नई साइकिलें

बताया गया है कि विधायक की पहल पर अच्छी गुणवत्ता की साइकिलों की खेप पहुंच गई है, जिन्हें वंदना में एसेंबल किया जा रहा है। छात्राओं को फिर से अच्छी गुणवत्ता वाली साइकिलें दी जाएंगी। मैनपाट के नर्मदापुर में 84, कमलेश्वरपुर में 72 साइकिलों को वापस मंगा लिया गया है। अन्य स्कूलों में भी साइकिलों को वापस जमा कराया जा रहा है।

खराब गुणवत्ता की साइकिल बांटने पर सवाल

जिलेभर में सरस्वती योजना के तहत जो साइकिलें बांटी गई हैं, उनकी गुणवत्ता कमजोर होने पर सवाल उठ रहे हैं। साइकिलों की सीट निकल जा रही है। चैन टूट जा रहे हैं। अन्य कलपुर्जे खराब हो रहे हैं। अधिकारियों ने साइकिलों की गुणवत्ता जांचे बिना ही उन्हें बंटवा दिया।

रोका गया है भुगतान-डीईओ

डीईओ दिनेश झा ने बताया कि विधायक रामकुमार टोप्पो द्वारा छात्राओं के लिए नई एवं गुणवत्ता वाली साइकिलें मंगवाई गई हैं, जिनका वितरण किया जाना है। इस कारण बीईओ द्वारा बांटी गई साइकिलों को वापस मंगाने का आदेश जारी किया गया है। डीईओ ने बताया कि हमारे द्वारा सप्लायर का भुगतान रोका गया है। सही गुणवत्ता की साइकिलों की सप्लाई के बाद भुगतान किया जाएगा।

बलरामपुर खदान को चालू करने की मांग को लेकर एचएमएस ने दिया धरना

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। सीटीओ के अभाव में गत दिनों एक अगस्त से बंद पड़ी एसईसीएल बिश्रामपुर की बलरामपुर खदान को पुनः शुरू कराने की मांग को लेकर 9 जनवरी को कोयला मजदूर सभा एचएमएस ने महाप्रबंधक कार्यालय के समक्ष एक दिवसीय धरना प्रदर्शन कर प्रबंधन को ज्ञापन सौंपा है। एचएमएस के इस धरना प्रदर्शन में इंटक और सीटू यूनियन का भी साथ मिला, जबकि बीएमएस और एटक ने इस प्रदर्शन से अपनी दूरी बनाए रखा।एचएमएस के महामंत्री देवेंद्र मिश्रा बताया कि यदि धरना प्रदर्शन के बाद भी प्रबंधन द्वारा उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया, तो संगठन द्वारा 16 जनवरी से क्रमिक भूख हड़ताल तथा 23 जनवरी से आमरण अनशन शुरू किया जाएगा। महामंत्री देवेंद्र मिश्रा ने बताया कि बलरामपुर खदान को घाटे में चलने तथा सीटीओ के नवीनीकरण नहीं होने का हवाला देकर प्रबंधन द्वारा पिछले करीब छह माह से बंद रखा गया है, जबकि उक्त खदान में लगभग 30 लाख टन कोयले का भंडार मौजूद है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रबंधन ने

जानबूझकर खदान को डूबने की स्थिति में छोड़ दिया है।खदान बंद होने से कुमदा क्षेत्र की दोनों खदानों से जुड़े करीब 500 से अधिक कामगारों पर अन्यत्र तबादले का खतरा मंडरा रहा है।साथ ही खदानों के बंद रहने से स्थानीय बाजार एवं व्यवसाय पर भी प्रतिकूल असर पड़ा है।एचएमएस ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही बलरामपुर खदान को पुनः चालू नहीं किया गया, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रबंधन की होगी। बताया जा रहा है कि कुमदा सहक्षेत्र में दो खदान स्थित है। वर्ष 1990 की दशक की उक्त दोनों भूमिगत खदान वर्तमान में सीटीओ के अभाव में बंद पड़ी है। कुमदा 7/8 खदान पिछले करीब आठ माह से जबकि बलरामपुर 10/12 खदान पिछले छह माह से बंद पड़ी है। दोनों खदान बंद होने से अब वहां लगातार जल भराव की स्थिति निर्मित हो रही है। बताया जा रहा है कि दोनों खदान अधिक घाटे में चलने के कारण कंपनी का उच्च प्रबंधन खदान को पुनः शुरू करने रुचि नहीं ले रहा और अब खबर सामने आ रही है कि दोनों खदानों को एमडीओ मोड में निजी ऑपरेटर को देने प्रस्ताव तैयार कर इसके स्वीकृति का प्रयास किया जा रहा है, जिससे श्रम संगठनों में खलबली मची है। ज्ञात हो कि दोनों खदान में छह सौ से अधिक मैन पवार हैं, जिन पर दूसरे क्षेत्रों के तबादले की तलवार लटकी हुई है। आज धरना प्रदर्शन उपरांत संघ द्वारा क्षेत्रीय महाप्रबंधक के नाम ज्ञापन सौंप आंदोलन को स्थगित किया गया। धरना प्रदर्शन के दौरान एचएमएस के क्षेत्रीय अध्यक्ष रामाशीष पाल, महामंत्री देवेंद्र मिश्रा, केके सिंह, रामचंद्र यादव, अजित यादव, डॉ. फिरोज, रमेंद्र सिंह, पवन अग्रवाल पोन्नी, ललन सोनी, परमजीत सिंह, नरेंद्र सिंह चौहान, लखन कुर्रे, गोपाल, सुशील राय, शोधन सिंह, तिलकधारी, देव चौधरी, पवन मिश्रा, प्रशांत पांडेय, लोचन सिंह, संतोष सिंह बंटी, अनीश टोप्पो व अन्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन क्षेत्रीय सचिव शिवाकांत मिश्रा ने किया।

जिले में अब तक 1601338 क्विंटल धान की खरीदी

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में जिले में अब तक 49 समितियों में किसानों से कुल 1601338 क्विंटल धान की खरीदी की गई है, साथ ही 299440 क्विंटल धान मीलिंग हेतु राईस मिलरों द्वारा उठाव कर लिया गया है।

जिले के 49 धान उपार्जन केन्द्र जिसमें धान खरीदी केन्द्र कपिलदेवपुर में 27984.80 क्विंटल धान की खरीदी की गई है। इसी प्रकार बादा में 17728.40, कुसमी में 31691.20, जवाहरनगर में 18524, कामेश्वरनगर में 66620.40, कोदवा में 9238.80, गोपालपुर में 24444, भेंडरी में 14082.80, चांदों में 51045.60, जमड़ी में 64593.60, जिगड़ी में 15878.40, जोकापाट में 8958.40, डूमरपान में 34584, डिण्डों में 44097.60, डीपाडीह में 22465.60, डोंगरो में 22888, गांजर में 15608.80, त्रिकुण्डा में 41764.80, बगरा में 26723.60, तातापानी में 31152, धंधापुर में 46551.20, डौरा में 29411.20, पस्ता में

17541.20, बड़कागांव में 46994.40, बरतीकला में 41622.40, बरदर में 27458, आरा में 15100, बरियों में 41060.80, बलंगी में 27711.80, बलरामपुर में 51382.80, बसंतपुर में 43222, भुलसीकला में 15378.80, भंवरमाल में 49264.80, रामानुजगंज 32272.40, महाराजगंज में 52927.20, महावीरगंज में 26073.20, विजयनगर में 44813.20, रघुनाथनगर में 31601.20, रनहत में 32469.20, राजपुर में 65461.20, दोलंगी में 25263.20, रामचन्द्रपुर में 25230.40, रामनगर में 42186, वाड्रफनगर में 26880.80, स्याही में 27056.40, विरेन्द्रनगर में 45921.60, सरना में 32752, सेवारी में 37528.40 एवं सामरी में 10127.60 क्विंटल धान किसानों से खरीदी की गयी है।

ईपीएफओ ने सामाजिक सुरक्षा कवरेज बढ़ाने के लिए शुरू की नई पहल

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। ईपीएफओ (कर्मचारी भविष्य निधि संगठन) ने सामाजिक सुरक्षा कवरेज बढ़ाने के लिए दो महत्वपूर्ण पहल शुरू की हैं। इनमें कर्मचारी नामांकन अभियान 2025 और पीएम विकसित भारत रोजगार योजना (पीएम व्हीबीआरवाय) शामिल हैं। कर्मचारी नामांकन अभियान 2025 (1 नवंबर 2025-30 अप्रैल 2026) का उद्देश्य अनरजिस्टर्ड और असंगठित श्रमिकों को ईपीएफ एमपी एक्ट 1952 के दायरे में लाना है। पीएम व्हीबीआरवाय के तहत नियोक्ताओं को नए कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए प्रोत्साहन दिया जा रहा है। सभी संस्थानों को निर्देशित किया गया है कि ईपीएफ एमपी एक्ट 1952 के लाभ अनुबंधित और सामान्य कर्मचारियों को दिए जाएं और संबंधित संस्थाओं को ईपीएफओ पोर्टल पर पंजीकृत किया जाए। शासकीय विभागों, सार्वजनिक उपक्रमों, नगरीय निकायों, सहकारी संस्थाओं में कार्यरत ठेका और आकस्मिक श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराई जाए और ईपीएफ अंशदान की समय पर जमा सुनिश्चित की जाए।

अखिल भारतीय फुटबाल प्रतियोगिता कंदरई में 28 से

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। ग्राम पंचायत कंदरई के एकांत स्टेडियम में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी स्व.इंदिरा गांधी स्मृति अखिल भारतीय फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 28 जनवरी से किया जाएगा। गौरतलब है कि 46 वर्षों से नवयुवक मंडल व शिक्षा समिति के नेतृत्व में आयोजित फुटबॉल प्रतियोगिता में डीएफए अकोला, रतलाम मध्यप्रदेश, न्यू स्पॉटिंग क्लब बक्सर बिहार, डीएफए कोरबा छग, सरगुजा एकेडमी, रायपुर रेलवे, गोंदिया महाराष्ट्र, दुर्गा स्पॉटिंग क्लब कलकत्ता पश्चिम बंगाल के अलावा अन्य टीमें हिस्सा लेंगी। स्पर्धा के विजेता टीम को 51000 रुपए व उपविजेता टीम को 31000 रुपए नगदी व ट्राफी प्रदान किया जाएगा। आयोजन को सफल बनाने ज्वाइंट सेक्रेट्री सुरजपुर फुटबॉल संघ नरसिंह नारायण सिंह, सेकेट्री आरबी लांबा के अलावा माखन लाल जायसवाल, रूपदास महंत, चुनेस्वर प्रसाद, महेंद्र सिरदार, राजेंद्र सिरदार, संदीप सिंह, संजय प्रसाद, संतोष सिंह, हुकुम साय, निशांत सिंह, कामेश थापा, ननकु थापा, मनीष सिंह व अन्य सक्रिय हैं।

भारतीय थलसेना भर्ती रैली 10 से 24 जनवरी तक

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। भारतीय थलसेना द्वारा माह मई-जून 2025 में ऑनलाईन सामान्य प्रवेश परीक्षा (सी.ई.ई.) का आयोजन किया गया था। जिसमें उत्तीर्ण युवाओं की शारीरिक दक्षता परीक्षण एवं अन्य भर्ती प्रक्रियाओं का आयोजन 10 जनवरी से 24 जनवरी 2026 तक इण्डोर स्टेडियम धमतरी में किया जाएगा। जिसमें लिखित परीक्षा (सी.ई.ई) में बलरामपुर जिले के उत्तीर्ण अभ्यर्थी एवी जीडी 10 जनवरी, एवी टीडीएन (10वीं) 20 जनवरी व एवी टीडीएन (8वीं) 21 जनवरी 2026 को इंडोर स्टेडियम धमतरी रैली में सम्मिलित हो सकते हैं।

भर्ती रैली की शारीरिक परीक्षा में सम्मिलित होने वाले युवाओं के लिए प्रशासन धमतरी द्वारा ठहरने की व्यवस्था नोडल अधिकारी के साथ किया गया है। किसी भी प्रकार की सहायता के लिए सोनकर भवन, राम बाग, विन्ध्यवासिनी वार्ड, धमतरी के लिए श्री अश्वनी पाटकर मोबाईल नम्बर 8103350625, रैन बसेरा, जिला अस्पताल के पास, धमतरी के लिए श्री राजकुमार सिन्हा मोबाईल नम्बर 9827974636, समुदायिक भवन, मराठा मंगल भवन के पास मराठा पारा, धमतरी के लिए श्री गिरीश गजपाल मोबाईल नम्बर 7898388835, राखेचा भवन, साल्हेवार पारा रोड, धमतरी के लिए चेतन साहू मोबाईल नम्बर 7398734489 पर संपर्क कर सकते हैं।

प्रभारी सचिव ने धान खरीदी केन्द्र भेण्डरी तथा डौरा का किया निरीक्षण

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। प्रभारी सचिव श्री अवनीश कुमार शरण ने अपने प्रवास के दौरान जिले के विभिन्न धान खरीदी केन्द्रों का निरीक्षण कर उपार्जन व्यवस्था का जाजया लिया। उन्होंने विकासखण्ड राजपुर स्थित धान खरीदी केन्द्र भेण्डरी तथा विकास खण्ड बलरामपुर के धान खरीदी केन्द्र डौरा-कोचली पहुंचकर खरीदी प्रक्रिया, तौलाई एवं भंडारण व्यवस्था का अवलोकन किया। प्रभारी सचिव ने उपार्जन केन्द्रों में केन्द्र प्रभारियों से अब तक उपार्जित धान की कुल मात्रा, पंजीकृत किसानों की संख्या, काटे गये टोकन, धान विक्रय कर चुके किसानों तथा शेष किसानों की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने धान तौलाई की प्रक्रिया का अवलोकन करते हुए आवश्यक व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए दिशा-निर्देश दिए।उन्होंने केन्द्र प्रभारियों एवं प्रबंधकों को शासन द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप धान खरीदी कार्य को सुचारू और पारदर्शी तरीके से निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। प्रभारी सचिव ने धान उठाव की प्रक्रिया में गति लाने, तौल उपरांत धान के सुरक्षित, सुव्यवस्थित तथा उचित रख-रखाव सुनिश्चित करने को कहा।

इस दौरान उन्होंने धान बेचने आये किसानों से चर्चा कर केन्द्रों में मिल रही सुविधाओं के बारे मे जानकारी ली। उन्होंने संबंधितों को निर्देशित करते हुए कहा कि धान विक्रय हेतु केन्द्रों में आने वाले किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए।

ग्राम पंचायतों में किया गया रोजगार एवं आवास दिवस का आयोजन

वीबी जीरामजी के बारे में दी गई विस्तृत जानकारी

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर के मार्गदर्शन में जिले के सभी ग्राम पंचायतों में ग्रामीणों को रोजगार, आजीविका एवं आवास से संबंधित शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से रोजगार दिवस एवं आवास दिवस का आयोजन किया गया। इस आयोजन के माध्यम से शासन की योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने, पारदर्शिता बढ़ाने तथा ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया।

कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों एवं श्रमिकों को महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के विभिन्न प्रावधानों की विस्तार से जानकारी दी गई तथा ग्राम पंचायतों में सार्वजनिक स्थलों पर चस्पा किए गए क्यू आर कोड को स्कैन कर मनरेगा अंतर्गत स्वीकृत एवं संचालित कार्यों की जानकारी मोबाइल के माध्यम से प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया गया, जिससे योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता एवं विश्वास को और अधिक सुदृढ़ किया जा सके।

इस अवसर ग्राम पंचायतों में मनरेगा अंतर्गत बड़ी संख्या में ग्रामीण परिवारों को रोजगार का लाभ मिल रहा है, जहां हजारों सक्रिय जॉब कार्डों के माध्यम से बड़ी संख्या में पंजीकृत श्रमिक नियमित रूप से कार्य से जुड़े हुए हैं। जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत स्वीकृत आवासों के निर्माण की प्रगति की समीक्षा करते हुए आवास हितग्राहियों को यह निर्देशित किया गया कि वे अपने आवासों का निर्माण शासन द्वारा निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करें, ताकि प्रत्येक पात्र परिवार को सुरक्षित एवं पक्का आवास उपलब्ध कराया जा सके। कार्यक्रम के दौरान मनरेगा के स्थान पर प्रस्तावित नवीन योजना विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) अर्थात विकसित भारत जीरामजी के उद्देश्यों, स्वरूप एवं संभावित लाभों की भी जानकारी दी गई तथा बताया गया कि यह योजना भविष्य में ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार एवं आजीविका के अवसरों को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध होगी। रोजगार दिवस एवं आवास दिवस के इस संयुक्त आयोजन में श्रमिकों, आवास हितग्राहियों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों, सरपंच, पंच, ग्राम सचिव, रोजगार सहायक, आवास मित्र, बीआरएलएफ के प्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीणों को योजनाओं के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ उनकी समस्याओं एवं सुझावों को भी सुना गया, जिससे योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में सुधार किया जा सके।

गायत्री खदान में डिप्लेरिंग की तैयारी, साढ़े 61 करोड़ से अधिक होगा मुआवजा वितरण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र की महत्वाकांक्षी गायत्री भूमिगत खदान परियोजना में भविष्य में किए जाने वाले डिप्लेरिंग कार्य को लेकर प्रबंधन ने तैयारियां प्रारंभ कर दी हैं। क्षेत्रीय महाप्रबंधक डॉ. संजय सिंह के बतौर महाप्रबंधक पदस्थापना के बाद उनकी अगुआई में भू राजस्व विभाग द्वारा भू स्वामियों के प्रकरणों के तेजी से निपटारे के शुरू किए गए प्रयासों क्रम में क्षेत्रीय प्रबंधन द्वारा गायत्री खदान के डिप्लरिंग से तीन गांव क्रमशः गेतरा, जोबगा और पोड़ी की कुल 288.209 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहण का प्रस्ताव तैयार किया गया है। भूमि अधिग्रहण के तहत 371 निजी खाताधारक, 3 शासकीय खाते तथा 31 वन भूमि, इस प्रकार 405 भू-स्वामियों को मुआवजा दिए जाने की सूची बनाई गई है। कंपनी के भू-राजस्व विभाग द्वारा तैयार प्रस्ताव के अनुसार इन भू-स्वामियों की भूमि के बदले 61 करोड़ 64 लाख रुपए से अधिक की मुआवजा राशि का वितरण किया जाना है। बताया जा रहा है कि अब तक एक करोड़ रुपए से अधिक की मुआवजा राशि संबंधित भू-स्वामियों को वितरित की जा चुकी है। जैसे-जैसे भू-स्वामी आवश्यक दस्तावेज प्रबंधन को उपलब्ध करा रहे हैं, उनकी फाइलें तैयार कर मुआवजा स्वीकृति के लिए कंपनी मुख्यालय भेजी जा रही हैं। गौरतलब है कि वर्तमान में गायत्री भूमिगत खदान से पौने 9 लाख टन वार्षिक कोयले का उत्पादन किया जा रहा है। यहां बीते दो वर्षों से निजी ऑपरेटर गैनवेल कंपनी द्वारा आधुनिक सीएम मशीन तकनीक के माध्यम से कोयला उत्पादन किया जा रहा है।

जिला पंचायत सीईओ ने ग्राम पंचायत तुड़पारास का किया निरीक्षण

दंतेवाड़ा, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री जयंत नाहटा ने आज ग्राम पंचायत तुड़पारास का निरीक्षण कर पंचायत क्षेत्र में संचालित विभिन्न विकास कार्यों की गहन समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान सीईओ श्री नाहटा ने ग्राम पंचायत में चल रहे निर्माण कार्यों का अवलोकन करते हुए उनकी गुणवत्ता, प्रगति एवं निर्धारित समय-सीमा की जानकारी ली। उन्होंने कार्यों में पारदर्शिता एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इस अवसर पर उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र का भी निरीक्षण किया, जहां बच्चों तथा गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को दी जा रही सुविधाओं की स्थिति का जायजा लिया। आवश्यक सुधार हेतु संबंधित कर्मचारियों को स्पष्ट दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत स्वीकृत आवासों की प्रगति की समीक्षा करते हुए सीईओ ने हितग्राहियों से संवाद किया तथा आवास निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कर पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।इसके साथ ही जल शक्ति अभियान के अंतर्गत किए जा रहे जल संरक्षण एवं संवर्धन कार्यों का निरीक्षण किया गया। सीईओ श्री नाहटा ने जल स्त्रोतों के संरक्षण, संवर्धन एवं ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने हेतु योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया। निरीक्षण के दौरान पंचायत एवं विभागीय अधिकारी, सरपंच, सचिव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित रहे। सीईओ श्री नाहटा ने कहा कि शासन की योजनाओं का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करना है तथा इन कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

किसानों से धोखाधड़ी मामले में जैजैपुर विधायक बालेश्वर साहू को जेल

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जांजगीर। किसानों के साथ धोखाधड़ी के आरोप में सीजेएम कोर्ट जांजगीर-चांपा ने जैजैपुर के कांग्रेस विधायक बालेश्वर साहू को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। कोर्ट के इस आदेश के बाद छत्तीसगढ़ कांग्रेस की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। पुलिस ने विधायक के खिलाफ किसानों की शिकायत पर धारा 420 सहित अन्य गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज की थी। यह मामला करीब दो महीने पुराना है। एफआईआर दर्ज होने के बाद विधायक ने हाई कोर्ट में अग्रिम जमानत के लिए याचिका दायर की थी। सुनवाई के बाद हाई कोर्ट ने पुलिस को चालान पेश करने और निचली अदालत के आदेश से पहले किसी भी तरह की दंडात्मक कार्रवाई न करने के निर्देश दिए थे। इसी कारण पुलिस ने अब तक कोई कठोर कदम नहीं उठाया था। हाई कोर्ट के आदेश के तहत पुलिस के लिए चालान पेश करना अनिवार्य था। शुक्रवार को पुलिस ने सीजेएम कोर्ट में चालान पेश करने का फैसला लिया और विधायक को कोर्ट में पेश होने के लिए समन जारी किया। नोटिस के बाद विधायक कोर्ट में उपस्थित हुए, जहां उनकी मौजूदगी में पुलिस ने चार्जशीट दाखिल की। सुनवाई के दौरान सीजेएम कोर्ट ने चार्जशीट का अध्ययन किया। गंभीर धाराओं और मामले की प्रकृति को देखते हुए कोर्ट ने विधायक बालेश्वर साहू को 22 जनवरी तक न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया। इसके बाद विधायक की ओर से जमानत याचिका दायर की गई, लेकिन सुनवाई के बाद कोर्ट ने जमानत याचिका खारिज कर दी।

मेडिकल जांच के बाद जेल भेजा गया

कोर्ट के आदेश के बाद पुलिस विधायक को लेकर जिला अस्पताल पहुंची, जहां चिकित्सकों की मौजूदगी में उनका स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया। मेडिकल जांच में सब कुछ सामान्य पाए जाने के बाद पुलिस उन्हें खोखरा जिला जेल लेकर पहुंची।

चोरी की जांच में उजागर हुआ करोड़ों का खजाना, जशपुर RTO की संपत्ति पर उठे सवाल

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुर। जशपुर में एक साधारण चोरी की घटना अब प्रशासन और जांच एजेंसियों के लिए बड़ी चुनौती बनती जा रही है। आरटीओ अधिकारी के घर हुई चोरी की पड़ताल के दौरान ऐसी संपत्ति सामने आई है, जिसने पूरे सिस्टम को चौंका दिया है। जिले में आरटीओ अधिकारी विजय निकुंज के घर हुई चोरी अब सिर्फ आपराधिक घटना नहीं रह गई है। जांच आगे बढ़ने के साथ ही अधिकारी के आवास से जुड़ी करोड़ों की संपत्ति सामने आई है, जिसने पुलिस से लेकर प्रशासनिक महकमे तक को हैरान कर दिया है। पुलिस के अनुसार आरटीओ के जशपुर स्थित आवास से करीब 20 लाख रुपये नकद और चार से पांच किलोग्राम सोने की चोरी हुई है। बरामदगी और पूछताछ में सामने आया कि चोरी किए गए सोने की अनुमानित कीमत पांच करोड़ रुपये से अधिक है। चौंकाने वाली बात यह है कि शुरूआती शिकायत में इतनी बड़ी मात्रा में सोने का उल्लेख ही नहीं किया गया था, जो अब जांच के दायरे में है।

आय के स्रोत पर उठे सवाल

जांच का सबसे अहम पहलू यह बन गया है कि एक आरटीओ अधिकारी के पास इतनी भारी नकदी और किलो के हिसाब से सोना आखिर आया कहां से। क्या यह संपत्ति वैध आय से अर्जित है या फिर इसके पीछे कोई और कहानी है—इसकी पड़ताल अब एजेंसियों के लिए जरूरी हो गई है। सूत्रों का कहना है कि चोरी के मामले के साथ-साथ आय से अधिक संपत्ति की जांच भी शुरू हो सकती है।

भतीजी निकली मास्टरमाइंड

पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि इस पूरी वारदात की साजिश आरटीओ की 21 वर्षीय भतीजी मिनल निकुंज ने रची। वह जशपुर में रहकर पढ़ाई कर रही थी और अपने प्रेमी के साथ मिलकर उसने घर से चरणबद्ध तरीके से चोरी शुरू की। पहले छोटी रकम निकाली गई, फिर एक साथ 15 लाख रुपये नकद और करीब चार किलो सोना सूटकेस में भरकर ले जाया गया।

ऐशो-आराम में उड़ाए चोरी के पैसे

आरोपियों ने चोरी के बाद रायपुर में एक लग्जरी विला बुक कर पार्टी की और महज दो दिनों में करीब पांच लाख रुपये खर्च कर दिए। इसके बाद रांची जाकर चोरी की रकम और सोना बेचकर मिली राशि से लगभग 25 लाख रुपये की टाटा हैरियर कार खरीदी गई। सोने के बिस्किट ओडिशा के राउरकेला में बेचने की बात भी सामने आई है।

पुलिस की कार्रवाई, बढ़ेगा जांच का दायरा

एसएसपी शशि मोहन सिंह के निर्देश पर गठित विशेष टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना के आधार पर रांची के एक होटल से पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सभी के खिलाफ थाना नारायणपुर में गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। अब जबकि चोरी से कहीं बड़ी तस्वीर—आरटीओ अधिकारी के घर मिली बेशुमार संपत्ति—सामने आ चुकी है, माना जा रहा है कि यह मामला आने वाले दिनों में भ्रष्टाचार और आय से अधिक संपत्ति की जांच की ओर भी बढ़ सकता है।

लोन वरार्टू : दंतेवाड़ा में 63 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

दंतेवाड़ा। दंतेवाड़ा जिले में नक्सलवाद के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान को बड़ी सफलता मिली है। लोन वरार्टू (घर वापसी) अभियान के तहत 63 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। आत्मसमर्पण करने वालों में 18 महिला नक्सली भी शामिल हैं। इन नक्सलियों पर कुल मिलाकर एक करोड़ रुपये से अधिक का इनाम घोषित था। आत्मसमर्पण करने वालों में पश्चिम बस्तर डिवीजन कमेटी के सचिव मोहन कड़ती भी शामिल है, जिसने अपनी पत्नी के साथ हथियार डाल दिए। वरिष्ठ नक्सली नेताओं के आत्मसमर्पण को नक्सली संगठन के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली सिर्फ छत्तीसगढ़ के ही नहीं, बल्कि अन्य राज्यों से जुड़े भी हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि राज्य में नक्सलवाद के खिलाफ सुरक्षा बलों की रणनीति और दबाव लगातार प्रभावी साबित हो रहा है। लोन वरार्टू अभियान के तहत नक्सलियों को मुख्यधारा में लौटने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। सुरक्षा बलों द्वारा चलाए जा रहे सघन अभियानों और लगातार बनाए जा रहे मनोवैज्ञानिक दबाव के चलते बड़ी संख्या में नक्सली आत्मसमर्पण कर रहे हैं। सरकार की ओर से आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को पुनर्वास नीति के तहत सहायता, रोजगार और सामाजिक पुनर्वास की सुविधाएं दी जाएंगी। अधिकारियों का कहना है कि इस कदम से क्षेत्र में शांति बहाल होगी और विकास कार्यों को गति मिलेगी। यह सफलता राज्य सरकार और सुरक्षा एजेंसियों के लिए नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में एक अहम उपलब्धि मानी जा रही है।

साझेदारी का लालच देकर 96 लाख ऐंठे, 46 लाख लेकर ठग घर बेचकर फरार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। राजधानी रायपुर में एक कपड़ा कारोबारी से करीब 46 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। यह प्रकरण सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है, जिसमें ठगों ने ट्रांसपोर्ट कारोबार में साझेदारी का झांसा देकर बड़ी रकम हड़प ली और बाद में फरार हो गए। जानकारी के अनुसार रायपुर निवासी कपड़ा कारोबारी राजेश तलरेजा को बलवीर सिंह सेंस, शबनम खान और नवनीत कौर ने ट्रांसपोर्ट बिजनेस में पार्टनर बनाने का भरोसा दिलाया। आरोपियों ने वर्ष 2001 से 2004 के बीच कारोबारी से 21 किश्तों में कुल 96 लाख 33 हजार रुपये लिए। शुरूआत में विश्वास बनाए रखने के लिए आरोपियों ने कुछ समय बाद 50 लाख 7 हजार रुपये वापस कर दिए, लेकिन शेष रकम लौटाने में टालमटोल करने लगे। जब पीड़ित ने अपना बचा हुआ 46 लाख रुपये वापस मांगा, तो आरोपी अपना घर बेचकर रायपुर से फरार हो गए। ठगी का एहसास होने पर कपड़ा कारोबारी ने सिविल लाइन थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तीनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस जांच में सामने आया है कि ठगों ने योजनाबद्ध तरीके से किश्तों में रकम ली और बाद में फरार हो गए। फिलहाल पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है और उनके संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

बंदूक नहीं, संवाद और विकास ही स्थायी समाधानः मुख्यमंत्री

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर - बस्तर अंचल में शांति, विश्वास और विकास की दिशा में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज हुई है। दंतेवाड़ा जिले में ह्लपूना मारगेम झ्र पुनर्वास से पुनर्जीवनह्व पहल के अंतर्गत 36 इनामी सहित कुल 63 माओवादियों— जिनमें 18 महिलाएं और 45 पुरुष शामिल हैं — ने हिंसा का रास्ता छोड़कर लोकतांत्रिक और विकास की मुख्यधारा से जुड़ने का संकल्प लिया है। यह केवल आत्मसमर्पण नहीं, बल्कि बस्तर के भविष्य के लिए एक निर्णायक परिवर्तन है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इस अवसर पर कहा कि यह उपलब्धि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति तथा केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी की स्पष्ट, बहुआयामी सुरक्षा एवं विकास रणनीति का प्रत्यक्ष परिणाम है। उन्होंने कहा कि यह घटना प्रमाण है कि बंदूक नहीं, संवाद और विकास ही स्थायी समाधान हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार की संवेदनशील पुनर्वास नीति, सटीक सुरक्षा रणनीति और सुशासन आधारित प्रशासनिक दृष्टिकोण के कारण नक्सलवाद अब अपने अंतिम चरण में पहुंच चुका है। माओवादी नेटवर्क का प्रभावी विघटन हो रहा है और बस्तर के सुदूर अंचलों में अब तेजी से सड़क, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और डिजिटल कनेक्टिविटी जैसी बुनियादी सुविधाएं पहुंच रही हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आत्मसमर्पण करने वाले युवाओं को सरकार द्वारा सम्मानजनक पुनर्वास, कौशल प्रशिक्षण, आजीविका और सामाजिक पुनर्स्थापन की समुचित व्यवस्था दी जाएगी ताकि वे आत्मनिर्भर नागरिक बनकर समाज की मुख्यधारा में स्थायी रूप से स्थापित हो सकें।

युवा भाजपा नेता आशुतोष दुबे को भाजपा किसान मोर्चा में प्रदेश कार्य समिति सदस्य बनाया

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। युवा भाजपा नेता आशुतोष दुबे को भाजपा किसान मोर्चा में प्रदेश कार्य समिति सदस्य बनाया गया है। पिछले दिनों प्रदेश भाजपा द्वारा किसान मोर्चा की घोषणा की गई। जिसमें आशुतोष को प्रदेश कार्य समिति सदस्य बनाए जाने से उनके समर्थकों ने खुशी जाहिर की है। लंबे समय से भारतीय जनता पार्टी के विभिन्न दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन करने वाले शिवपुर में भाजपा के मजबूत स्तंभ आशुतोष दुबे को प्रदेश कार्य समिति में शामिल किए जाने से भाजपा कार्यकताओं उनके समर्थकों ने खुशी व्यक्त किया है।

ऑनलाइन सट्टा गिरोह का भंडाफोड़, 50 लाख नकद के साथ 4 गिरफ्तार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। रायपुर पुलिस ने ऑनलाइन सट्टा संचालित करने वाले एक बड़े गिरोह का पदार्फाश करते हुए 50 लाख 35 हजार रुपये नकद समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी ऑनलाइन बैटिंग साइट्स के लिए आईडी उपलब्ध कराकर कमीशन के जरिए अवैध मुनाफा कमा रहे थे। यह कार्रवाई पुलिस महानिरीक्षक रायपुर रेंज अमरेश मिश्रा और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रायपुर डॉ. लाल उमेद सिंह के निर्देशन में एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट तथा थाना गंज पुलिस की संयुक्त टीम ने की। पुलिस को 8 जनवरी को सूचना मिली थी कि थाना गंज क्षेत्र के पाठक हॉस्पिटल रोड स्थित सिंधु भवन पार्किंग के पास एक कार में सवार कुछ लोग ऑनलाइन सट्टा चला रहे हैं। सूचना के आधार पर टीम ने मौके पर घेराबंदी कर चारपहिया वाहन को चिन्हित किया। कार में सवार चार युवकों से पूछताछ की गई, जिन्होंने अपने नाम रितेश गोविंदानी, मोहम्मद अख्तर, विक्रम राजकोरी और सागर पिंजानी बताए।

जांच के दौरान आरोपियों के लैपटॉप और मोबाइल फोन में Allpanelexch.com, Power7777.com, Powerexch.com और Classicexch99.com जैसी ऑनलाइन बैटिंग साइट्स की मास्टर आईडी और यूजर आईडी के जरिए सट्टा संचालित होना पाया गया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 50.35 लाख रुपये नकद, 2 लैपटॉप, 10 मोबाइल फोन, हुंडई

टक्सन कार, पासपोर्ट, एटीएम कार्ड, चेक बुक और कैलकुलेटर जब्त किए। जब्त सामग्री की कुल कीमत करीब 80 लाख रुपये आंकी गई है।

पुलिस के अनुसार, रितेश गोविंदानी और सागर पिंजानी मास्टर आईडी उपलब्ध कराते थे, जबकि मोहम्मद अख्तर और विक्रम राजकोरी ग्राहकों को अलग-अलग बैटिंग साइट्स की आईडी कमीशन के आधार पर देते थे। सभी आरोपी मिलकर अवैध रूप से करोड़ों रुपये का लेनदेन कर रहे थे। आरोपियों के बैंक खातों में मौजूद भारी रकम को भी होल्ड कराया गया है।

गिरफ्तार आरोपी

रितेश गोविंदानी पिता प्रहलाद गोविंददानी उम्र 32 वर्ष निवासी ए-602 ओम श्री अपार्टमेंट शंकर नगर थाना खम्हारडीह रायपुर।

मोह. अख्तर पिता मोह. आरिफ उम्र 32 वर्ष निवासी मौदहापारा गली नंबर 02 थाना मौदहापारा जिला रायपुर।

विक्रम राजकोरी पिता मोहन राजकोरी उम्र 32 वर्ष निवसी ए-206 वेदा इंटरनेशनल के पीछे सुंदर नगर थाना डी.डी. नगर जिला रायपुर।

सागर पिंजानी पिता अनुप पिंजानी उम्र 30 वर्ष अश्वनी नगर एकता कैम्पस मकान नंबर 17 थाना पुरानी बस्ती जिला रायपुर।

चारों आरोपियों के खिलाफ थाना गंज में अपराध क्रमांक 06/26 के तहत छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 7, 112(2) बीएनएस और आईटी एक्ट की धारा 66(सी) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस ने बताया कि आईडी लेकर ऑनलाइन सट्टा खेलने वाले ग्राहकों की जानकारी भी सामने आई है, जिनके खिलाफ आगे वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। उल्लेखनीय है कि आरोपी रितेश गोविंदानी और विक्रम राजकोरी पूर्व में भी अलग-अलग मामलों में जेल जा चुके हैं। पुलिस का कहना है कि आरोपियों की बदलती जीवनशैली और लगातार बड़े खर्चों पर पहले से नजर रखी जा रही थी, जिसके चलते यह कार्रवाई संभव हो सकी।

खराब जीवनशैली और जंकफूड से तेजी से बढ़ रहे हृदय रोगी - डा. दीपक कुमार राय

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बस्ती / अनन्ता हार्ट एंड कैंसर हॉस्पिटल में सप्ताह में तीन दिन अपनी सेवाएं दे रहे प्रसिद्ध हृदयरोग विशेषज्ञ (लारी कार्डियोलॉजिस्ट) डा. दीपक कुमार राय ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में हृदय रोगियों की संख्या में लगातार और तेजी से वृद्धि हुई है, जो गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने बताया कि इसके पीछे सबसे बड़ा कारण लोगों की बदलती जीवनशैली, शारीरिक श्रम की कमी, तथा फास्टफूड और जंकफूड का बढ़ता चलन है। डा. दीपक ने बताया कि पहले हृदय रोग को सामान्यतः 40 वर्ष की आयु के बाद होने वाली बीमारी माना जाता था, लेकिन आज के दौर में आधुनिक जीवनशैली, मानसिक तनाव, देर रात तक जागना, मोबाइल और स्क्रीन पर अधिक समय बिताना तथा असंतुलित खान-पान के कारण 25 से 35 वर्ष के युवा भी हृदय रोग के शिकार हो रहे हैं। यह स्थिति आने वाले समय में और भी भयावह रूप ले सकती है, यदि समय रहते लोगों में जागरूकता नहीं लाई गई। ठंड के दिनों में विशेष सावधानी की जरूरत है। उन्होंने बताया कि आजकल लोग घर का पौष्टिक और संतुलित भोजन छोड़कर तले-भुने, पैकेटबंद और रेडी-टू-ईट खाद्य पदार्थों पर अधिक निर्भर हो गए हैं। ऐसे खाद्य पदार्थों में मौजूद अधिक नमक, चीनी, ट्रांस फैट और प्रिजर्वेटिव्स हृदय की धमनियों को धीरे-धीरे संकुचित कर देते हैं, जिससे ब्लॉकेज, हाई ब्लड प्रेशर और हार्ट अटैक जैसी गंभीर समस्याएं उत्पन्न होती हैं। डा. राय ने कहा कि हृदय रोग की पहचान शुरूआती चरण में हो जाए तो इसका इलाज अपेक्षाकृत आसान होता है। इसके लिए उन्होंने लोगों को रूटीन स्वास्थ्य जांच कराने की सलाह दी। विशेष रूप से जिन लोगों को ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, मोटापा, धूम्रपान या पारिवारिक हृदय रोग का इतिहास है, उन्हें नियमित रूप से हृदय रोग विशेषज्ञ से परामर्श लेना चाहिए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि हृदय से जुड़ी किसी भी समस्या में विशेषज्ञ चिकित्सक से ही इलाज कराना चाहिए, क्योंकि गलत इलाज जानलेवा साबित हो सकता है। अनन्ता हार्ट एंड कैंसर हॉस्पिटल के प्रबन्धक राहुल चौधरी ने बताया कि अस्पताल में हृदय रोग से संबंधित सभी आधुनिक जांच और उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। उन्होंने कहा कि मरीजों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यहां एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी, पेसमेकर प्रत्यारोपण, 2-डी इको, टीएमटी (ट्रेडमिल टेस्ट), ईसीजी सहित अन्य आवश्यक कार्डियक जांच सुविधाएं उपलब्ध हैं। राहुल चौधरी ने बताया कि अस्पताल में अनुभवी चिकित्सकों की टीम और अत्याधुनिक मशीनों के माध्यम से मरीजों को जिले में ही उच्च स्तरीय हृदय उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे न केवल समय और धन की बचत होती है, बल्कि गंभीर स्थिति में मरीजों को तुरंत इलाज भी मिल पाता है। उन्होंने कहा कि अस्पताल का उद्देश्य है कि आम जनमानस को कम खर्च में बेहतर, सुरक्षित और भरोसेमंद चिकित्सा सुविधा मिल सके।

रासेयो चतुर्थ दिवस बौद्धिक चर्चा में योगेश साहू ने दिया जीवन-मूल्यों का संदेश

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामानुजनगर में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना (रा.से.यो.) इकाई के चतुर्थ दिवस के अवसर पर आयोजित बौद्धिक चर्चा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शासकीय माध्यमिक शाला पतरापाली के युवा शिक्षक, राज्यपाल पुरस्कार चयनित योगेश कुमार साहू उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ योगेश कुमार साहू द्वारा स्वामी विवेकानंद जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। इसके पश्चात उन्होंने रा.से.यो. स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए मानव विकास, व्यक्तित्व निर्माण तथा जीवन जीने की कला पर विस्तारपूर्वक अपने विचार साझा किए। अपने बौद्धिक उद्बोधन में श्री साहू ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि युवाओं को समाज से जोड़ने और उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनाने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने स्वयंसेवकों को सेवा, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, अनुशासन, आत्मविश्वास और सामाजिक संवेदनशीलता जैसे गुणों को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में योगेश साहू ने सभी रा.से.यो. स्वयंसेवकों को बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर पूर्व माध्यमिक विद्यालय छिंदिया के शिक्षक मुकेश कुमार, विनीता सिंह, अंजू सिदार, प्राथमिक शाला छिंदिया की प्रधान पाठिका मधु पैकरा, राष्ट्रीय सेवा योजना के सहायक कार्यक्रम अधिकारी श्याम सिंह मरावी सहित रा.से.यो. के सभी स्वयंसेवक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी दिलीप कुमार शर्मा के द्वारा किया गया। कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं प्रेरणादायक वातावरण में संपन्न हुआ।

सम्पादकीय

वैष्णो देवी मेडिकल कॉलेज में हिंदू छात्रों की उपेक्षा क्यों

हिंदू छात्रों के विरोध और शिकायतों के बाद राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) ने जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में स्थित माता वैष्णो देवी मेडिकल कॉलेज की मान्यता रद्द कर दी। विवाद की शुरुआत तब हुई, जब कॉलेज में दाखिला लेने वाले पहले बैच में 50 छात्रों में 42 मुस्लिम समुदाय से थे, जबकि हिंदू छात्रों की संख्या सिर्फ 7 और 1 सिख छात्र शामिल थे। इसको लेकर हिंदू संगठनों ने विरोध किया और आरोप लगाया कि कॉलेज में हिंदू छात्रों की उपेक्षा क्यों की जा रही है। हिंदू संगठनों का कहना था कि चूंकि यह कॉलेज माता वैष्णो देवी के भक्तों के चढ़ावे से संचालित होता है, इसलिए श्राइन बोर्ड के फंड का गलत इस्तेमाल हो रहा है। कॉलेज श्राइन बोर्ड की जमीन पर ही बना है और ज्यादातर फंडिंग हिंदू भक्तों के चढ़ावे से आती है। हिंदू तीर्थयात्रियों की आस्था से जुड़े पैसे का इसमें इस्तेमाल हो रहा है, लेकिन सीटें ज्यादातर एक खास समुदाय को मिल गईं। ये हिंदू भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला है और भेदभाव जैसा लगता है। सवाल उठता है कि हिंदू धर्म के संगठनों के पैसे का इस तरह उपयोग कितना जायज है। बता दें कि वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार जम्मू-कश्मीर में मुस्लिम आबादी 68.3%, हिंदू 28.44%, सिख 1.87%, बौद्ध 0.90% और ईसाई 0.28% है। इस तरह देखा जाए जो हिंदू यहां अल्पसंख्यक हैं, लेकिन यह सब कुछ होते हुए भी 50 में सिर्फ 7 सीटें हिंदू छात्रों को मिलना कहां का न्याय है। हालांकि राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग ने मान्यता रद्द करने के पीछे कई कारण गिनाए हैं। इनमें बुनियादी ढांचे की कमी, शिक्षकों की कमी, मरीजों की कम संख्या और न्यूनतम मानकों के गंभीर उल्लंघन शामिल है। अब मौजूदा एमबीबीएस छात्रों को अन्य मान्यता प्राप्त मेडिकल कॉलेजों में स्थानांतरित किया जाएगा। श्री माता वैष्णो देवी संघर्ष समिति, जिसमें 60 सामाजिक और दक्षिणपंथी संगठन शामिल हैं, ने पहले दाखिला सूची रद्द करने की मांग की थी। जब यह संभव नहीं हुआ, तो उन्होंने कॉलेज बंद करने पर जोर दिया। समिति का तर्क था कि माता वैष्णो देवी श्राइन के चढ़ावे से मिलने वाले लाभ मुख्य रूप से हिंदुओं को ही मिलने चाहिए। मेडिकल कॉलेज ने राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग में 5 दिसंबर और 19 दिसंबर, 2024 को एक पब्लिक नोटिस के तहत नया एमबीबीएस प्रोग्राम शुरू करने के लिए आवेदन किया था। इसके बाद संस्थान को 2025-26 एकेडमिक सत्र के लिए 50 एमबीबीएस छात्रों को एडमिशन देने की मंजूरी मिली थी और इसी के बाद मुस्लिम छात्रों के एडमिशन को लेकर विवाद शुरू हो गया था। भाजपा ने भी इसका समर्थन किया था और उपराज्यपाल से एडमिशन रिव्यू की मांग की थी। हिन्दू संगठन ने कहा था कि कॉलेज को हिंदू माइनॉरिटी स्टेटस मिले या नई मेरिट से दाखिले हों। हालांकि कॉलेज के अधिकारियों और राज्य के मुख्यमंत्री सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा कि दाखिला पूरी तरह मेरिट के आधार पर हुआ है। धर्म से इसका कोई लेना-देना नहीं है, लेकिन विरोध करने वाले इसे आस्था और फंडिंग के दुरुपयोग का मामला मानते रहे। यही वजह थी कि महीनों तक ये विवाद गरमाया रहा और अब इस कॉलेज की मान्यता रद्द कर दी गई। अब कॉलेज के छात्रों को जम्मू-कश्मीर के अन्य सरकारी मेडिकल कॉलेजों में स्थानांतरित किया जाएगा, ताकि उनकी पढ़ाई प्रभावित न हो। समायोजन प्रक्रिया जल्द शुरू होगी, जिससे छात्रों को कोई नुकसान नहीं होगा।

ट्रंप की बेलगामी और यूएन की लाचारी

विश्लेषण
प्रमोद भार्गव

वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सेलिया फ्लोरेस का अमेरिका द्वारा किए अपहरण और गिरफ्तारी का घटनाक्रम आजकल चर्चा में है। वेनेजुएला के पक्ष में आवाज उठाने वाले दक्षिण अमेरिकी देश कोलंबिया के आग्रह पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की आपात बैठक भी हुई, जिसमें अमेरिका ने अपना पक्ष रखा और अपने तानाशाही रवैये को जायज ठहराया। हालांकि चीन ने अमेरिका की इस सैन्य कार्यवाही को सीधे-सीधे दादागिरी बताया। रूस ने भी आपात्ति जताई है, लेकिन संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरस इस घटनाक्रम पर गहरी चिंता जताने के अलावा अमेरिका के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करने के परिप्रेक्ष्य में लाचार नजर आए।

वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सेलिया फ्लोरेस का अमेरिका द्वारा किए अपहरण और गिरफ्तारी ने महाकवि तुलसीदास की इस कहावत 'समरथ को नहीं दोष गुसाईं' को चरितार्थ कर दिया है। राष्ट्रपति ट्रंप चाहे जिन कुतर्कों को तर्क बताकर अपने हठ को सच बताते रहें, वास्तविकता यही है कि इस कार्यवाही को किसी भी कानून के परिप्रेक्ष्य में तर्कसम्मत नहीं ठहराया जा सकता है? वेनेजुएला के पक्ष में आवाज उठाने वाले दक्षिण अमेरिकी देश कोलंबिया के आग्रह पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की आपात बैठक भी हुई, जिसमें अमेरिका ने अपना पक्ष रखा और अपने तानाशाही रवैये को जायज ठहराया। हालांकि चीन ने अमेरिका की इस सैन्य कार्यवाही को सीधे-सीधे दादागिरी बताया।

रूस ने भी आपात्ति जताई है, लेकिन बैठक में संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरस इस घटनाक्रम पर गहरी चिंता जताने के अलावा अमेरिका के विरुद्ध कोई भी कड़ी कार्यवाही करने के परिप्रेक्ष्य में लाचार नजर आए। गुटेरस ने कहा कि यह इस कार्यवाही में अंतरराष्ट्रीय कानूनों और नियमों का पालन नहीं किया गया। संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुसार किसी भी देश की क्षेत्रीय अखंडता एवं राजनीतिक स्वतंत्रता के विरुद्ध बल का प्रयोग नहीं किया जा सकता है, किंतु इसकी अनदेखी की गई। वेनेजुएला के प्रतिनिधि ने अमेरिका द्वारा किए इस हमले को अपने देश के प्राकृतिक संसाधनों और तेल को प्राप्त करना बताया। ऐसी ही रूस, चीन, मैक्सिको, क्यूबा और कई देशों ने अमेरिका की कड़ी आलोचना की, किंतु अमेरिका के मित्र देश उसके साथ खड़े दिखाई दिए हैं। दुनिया के तेल भंडार का 18.17 प्रतिशत तेल अर्थात 303 अरब बैरल तेल और दुर्लभ खनिज के भंडार वेनेजुएला की धरती में समाए हुए हैं, किंतु उसके पास कच्चे तेल को शोधन करने के तकनीकि संसाधन नहीं हैं। इसलिए इस तेल को ईंधन में नहीं बदल पा रहा है। इस तेल को शोधन के लिए जब मादुरो ने चीन से तेल और रूस से हथियार खरीदने की नीति को अंजाम दिया तो ट्रंप की नाराजगी बढ़ गई और मादुरो और उनकी पत्नी सेलिया का अपहरण कर लिया।

इस अपहरण की घटनाक्रम को लेकर मादुरो के बेटे निकोलस मादुरो गुएरा ने कहा है कि इतिहास बताएगा कि हमारे भीतर के लोगों ने किस तरह से गद्दारी करते यह राष्ट्रघात किया? मीडिया द्वारा ऐसी जानकारियां सामने लाई गई हैं कि वेनेजुएला सरकार में काम कर रहे लोगों ने ही उपहारों के लालच में आकर अमेरिकी सेना को राष्ट्रपति मादुरो के आवास तक पहुंचाने में मदद की है। हालांकि अमेरिका ने वेनेजुएला पर अमेरिका में मादक पदार्थों की तस्करी करने का हवाला देकर इस सैन्य कार्यवाही को जायज ठहराया है। मादुरो को अमेरिकी कानून केर-फ्रिस्बी के तहत पकड़ा गया है। यह कानून अमेरिकी संविधान के अनुच्छेद-2 के तहत राष्ट्रपति को गैर-कानूनी तरीकों से ऐसे लोगों और भगोड़ों को पकड़ने की अनुमति देता है, जो अमेरिका को किसी प्रकार से नुकसान पहुंचा रहे हों। इसमें प्रावधान है कि गिरफ्तारी का तरीका कितना भी गैर-कानूनी हो, एक बार अमेरिका में लाने के बाद अमेरिकी अदालत में मामला चलाया जा सकता है। इसे चुनौती नहीं दी जा सकती है। मादुरो पर मादक पदार्थ तस्करी के आपराधिक मामले अमेरिका में

दर्ज हैं। इनमें कम से कम 20 साल की सजा से लेकर आजीवन कारावास हो सकता है। अमेरिका ऐसा दुस्साहस 1990 में पनामा के तानाशाह मैनुअल नोरिएगा को गिरफ्तार करके दिखा चुका है। इन्हें अमेरिकी अदालत ने 40 साल की सजा सुनाई थी, किंतु 2011 में रिहा कर दिया गया था। यदि मादुरो को सजा सुनाई जाती है तो ट्रंप के राष्ट्रपति नहीं रहने के बाद कोई दूसरा राष्ट्रपति मादुरो को क्षमादान दे सकता है। खुद ट्रंप होंडुरास के पूर्व राष्ट्रपति हर्नाडेज को 2025 में माफी दे चुके हैं। अमेरिका कभी मादक पदार्थों और हथियारों की तस्करी का बहाना ढूंढकर अपने शत्रु राष्ट्रों के मुखियाओं को सबक सिखाता रहा है। 2003 में अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश सरकार ने इराक पर जैविक और रासायनिक हथियार होने का दावा कर ईराक को नेस्तनाबूद कर दिया था। वहां के राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन को भी अपदस्थ कर दिया था। इन हस्तक्षेपों के चलते आज भी इन देशों में गृहयुद्ध एवं अस्थिरता के हालात बने हुए हैं। यही हश्र अब वेनेजुएला का होना निश्चित है। अमेरिका के सरकारी शोध संस्थान कांग्रेसनल रिसर्च सर्विस की रिपोर्ट के अनुसार 1798 से लेकर अब तक अमेरिका 469 सैन्य हस्तक्षेप दुनिया में इसलिए कर चुका है, जिससे उसे महाशक्ति माना जाता रहे। दुनिया में लगातार ऐसे हालातों की निर्मिति सामने आने के बावजूद संयुक्त राष्ट्र की कार्य-संस्कृति लाचार बनी हुई है। उस पर निरंतर प्रश्न-चिन्ह उठ रहे हैं। अतएव यदि यह वैश्विक संस्था अपने भीतर समयानुकूल सुधार नहीं लाती है तो कालांतर में महत्वहीन होती चली जाएगी और फिर इसके सदस्य देशों को इसकी जरूरत ही नहीं रह जाएगी। भारत जैसे देश को संयुक्त राष्ट्र की स्थायी सदस्यता से बाहर रखते हुए इस संस्था ने जता दिया है कि वहां चंद अलोकतांत्रिक या तानाशाह की भूमिका में आ चुके देशों की ही तूती बोलती है।

इसकी निष्पक्षता भी संदिग्ध है, इसीलिए वैश्विक परिदृश्य में संयुक्त राष्ट्र ताकतवर देशों की मनमानी रोकने, शांति स्थापित करने और आतंकी संगठनों पर लगाम लगाने में नाकाम रहा है। दूसरे विश्व युद्ध के बाद शांतिप्रिय देशों के संगठन के रूप में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का गठन हुआ था। इसका अहम मकसद भविष्य की पीढ़ियों को युद्ध की विभीषिका और आतंकवाद से सुरक्षित रखना था। इसके सदस्य देशों में अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, रूस और चीन को स्थायी सदस्यता प्राप्त है। भारत का ऑपरेशन सिंदूर समेत तीन बार पाकिस्तान और एक बार चीन से युद्ध हो चुका है। इराक और अफगानिस्तान, अमेरिका और रूस के जबरन दखल के चलते युद्ध की ऐसी विभीषिका के शिकार हुए कि आज तक उबर नहीं पाए हैं। रूस और यूक्रेन तथा इजराइल एवं फिलिस्तीन के बीच युद्ध एक नहीं टूटने वाली कड़ी बन गया है। अनेक इस्लामिक देश गृह-कलह से जूझ रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व में विश्व स्वास्थ्य संगठन, अंतरराष्ट्रीय न्यायालय, यूनिसेफ और शांति सेना जैसे संगठन काम करते हैं। चंद देशों की ताकत के आगे ये संगठन नतमस्तक होते दिखाई देते हैं, इसीलिए शांति सेना की विश्व में बढ़ते सैनिक संघर्षों के बीच कोई निर्णायक भूमिका दिखाई नहीं दे रही है। संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक और सामाजिक संगठन जी-20, जी-8, आसियान और ओपेक जैसे संगठन विभाजित दुनिया के क्रम में लाचारी का अनुभव कर रहे हैं। अमेरिका व अन्य यूरोपीय देशों द्वारा इन्हें दी जाने वाली आर्थिक मदद में कटौती कर दिए जाने के कारण भी इनका भविष्य संकट में है। इन सब खतरों के चलते इस वैश्विक मंच की विश्वसनीयता संकट में है, लिहाजा इसमें पर्याप्त सुधारों की तत्काल जरूरत तो है ही, वेनेजुएला के परिप्रेक्ष्य में कुछ ऐसा करना जरूरी है, जिससे इसकी वैश्विक प्रतिष्ठा के प्रति सदस्य देशों में विश्वास पैदा करे।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

जयंती विशेष

डॉ. मोनिका शर्मा

स्त्री चेतना का मुखर स्वर

बनीं कथाकार आशापूर्णा देवी

साहित्य समाज का दर्पण कहा जाता है। साहित्य, सामाजिक-पारिवारिक परिवेश में सकारात्मक बदलाव का पुख्ता धरातल भी बनाता है। स्त्री जीवन से जुड़े यथार्थ को उकेरने वाले कथानक परिवेशगत परिवर्तन के इस पक्ष पर सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं। महिलाओं के सशक्त व्यक्तित्व, संघर्षशील विचार और व्यावहारिक जीवन से जुड़ी उलझनों को सहजता से शब्दों में ढालने वाली बांग्ला कथाकार व कवयित्री आशापूर्णा देवी ने नारी जीवन से जुड़ी इन्हीं मार्मिक बातों-हालातों को अपनी साहित्यिक यात्रा का हिस्सा बनाया। प्रतिष्ठित ज्ञानपीठ पुरस्कार पाने वाली देश की इस पहली महिला साहित्यकार ने अपनी रचनाओं में पारिवारिक जीवन की समस्याओं से लेकर सामाजिक परिवेश की कुंठा, स्वार्थ, दमनकारी सोच और स्त्रीमन के संवेदनात्मक पहलुओं तक का अत्यंत पैनेपन के साथ चित्रण किया है। असल में उनका रचनाकर्म बिना लाग-लपेट के महिलाओं के उत्पीड़न और समाज एवं परिवार की कटु हकीकत से मिलवाने वाली रूपरेखा लिए है। यही वजह है कि बेबाकी से कलम चलाने वाली आशापूर्णा देवी का उत्कृष्ट साहित्यिक योगदान सदैव स्मरणीय है। अपनों के बीच भी उनके महिला चरित्रों की असहजता, अधिकारों की लड़ाई और संघर्षपूर्ण दिनों में मुखर भूमिका निभाने से जुड़ी सृजनशीलता ने कई पुरस्कार भी उनकी झोली में डाले। उनकी कृति 'प्रथम प्रतिश्रुति' के लिए 1976 में उन्हें ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। इसी वर्ष भारत सरकार द्वारा उन्हें पद्म श्री से भी नवाजा गया।

ध्यातव्य है कि दूरदर्शन पर 'प्रथम प्रतिश्रुति' नामक टीवी कार्यक्रम भी प्रसारित हुआ था। विश्वभारती विश्वविद्यालय ने 1989 में उनको 'देशिकोत्तम से सम्मानित किया था। साथ ही 1994 में साहित्य अकादमी द्वारा भी आशापूर्णा देवी को साहित्य अकादमी फेलोशिप के रूप में अपना सर्वोच्च सम्मान दिया गया। ज्ञात हो कि उनके रचना संसार में लगभग 225 कृतियां शामिल हैं। प्रथम प्रतिश्रुति के बाद उनके दो अन्य उपन्यास, 'सुवर्णलता' और 'बकुल कथा' भी बहुत अधिक चर्चित रहे हैं। तीन पीढ़ियों की कहानी कहती इस त्रयी 'प्रथम प्रतिश्रुति, सुवर्णलता और बकुल कथा के माध्यम में उन्होंने बांग्ला साहित्य में एक अमिट छाप छोड़ी। इतना ही नहीं, उनकी रचनाओं का अनुवाद हिंदी के साथ-साथ तमिल, तेलुगु, असमिया, कन्नड़, मराठी, नेपाली, ओड़िया, पंजाबी और संस्कृत जैसी कई अन्य भारतीय भाषाओं भी हुआ है। साथ ही अंग्रेज़ी सहित बहुत सी विदेशी भाषाओं में भी उनकी कृतियों का अनुवाद किया गया है। 8 जनवरी 1909 को उत्तरी कलकत्ता में जन्मी आशापूर्णा देवी को उनकी सात दशक से अधिक की साहित्यिक यात्रा में सामाजिक समानता और घर-परिवार में बुनियादी बदलाव लाने वाले स्त्री चेतना के स्वर को बल देने वाली रचनाकार माना जाता है। समझना आवश्यक है कि आशापूर्णा देवी के रचना संसार के स्त्री चरित्र ही नहीं उनका व्यक्तिगत संघर्ष भी आम स्त्रियों के लिए प्रेरणादायी है। उनके अथक संघर्ष और अनवरत सृजन की यात्रा महिलाओं को विपरीत परिस्थितियों में भी जीवन रण में डटे रहने की सीख देते हैं।

गौरतलब है कि उस दौर के एक रूढ़िवादी बंगाली परिवार में जन्मी आशापूर्णा देवी की कोई औपचारिक शिक्षा भी नहीं हुई। विवाह के बाद अपने पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए उन्होंने साहित्य साधना की। दूरदर्शन को दिए गए एक साक्षात्कार में आशापूर्णा देवी ने कहा था कि 'मेरे लिए गृहस्थी मेरी धरती है और साहित्य सृजन मन का आकाश। मेरी दृष्टि आकाश पर लगी रही जबकि पैर धरती पर रहे। मैंने कभी गृहस्थी और साहित्य को एक-दूसरे का पूरक या प्रतिस्पर्धी नहीं माना। मेरे लिए दोनों मेरे लिए समानांतर रहे।' इसी संतुलित सोच के साथ जिम्मेदारियों को निभाते हुए उनकी कलम ने दैनिक जीवन की छोटी-छोटी घटनाओं के माध्यम से स्त्रीमन की घुटन को पन्नों पर उतारा। पारिवारिक ढांचे में मौजूद पीढ़ियों के टकराव और महिलाओं के आत्मसम्मान की लड़ाई को अपने लेखन में जगह दी। समाज और परिवार की वास्तविक स्थितियों को उकेरने में उन्हें सिद्धहस्त माना जाता है। यही वजह है कि साधारण जीवन जीते हुए असाधारण कृतियाँ लिखने वाली यह रचनाकार आज भी भारतीय स्त्रियों की पथ-प्रदर्शक सी लगती हैं। उनकी रचनाएं न केवल तत्कालीन समाज की रूढ़िवादी सोच और वर्जनाओं को सामने लाती ही हैं बल्कि स्त्रियों को संघर्ष कर मुक्ति पाने का मार्ग भी दिखाती हैं।

(लेखिका स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

अच्छा काम करना है तो आलस छोड़ दें

संकलित

दर्शन

शिव का अर्थ है- भोलापन। दुनिया में भोलापन उदय हो जाए, इसका उपाय है- 'शिव सूत्र'। शिव सूत्र छोटे-छोटे सुंदर सूत्र हैं। जीवन के लिए एक सूत्र ही काफी है। आपका जीवन इन सूत्रों के आनंदमय प्रकाश से भर जाएगा। जीवन में भोलापन उदय हो जाएगा। हमारा शरीर और मन दोनों अलग-अलग नियमों पर चलते हैं; जैसे- आप जितना व्यायाम करेंगे, शरीर उतना हष्ट-पुष्ट होने लगता है, लेकिन मन के लिए एक अलग ही ढंग है। आप जितना विश्राम करेंगे, मन उतना ही तेज होने लगेगा। सबने सुना है, सब भगवान की इच्छा से होता है। 'तेन विना तृणमपि न चलति' उसकी इच्छा के बिना एक पत्ता भी नहीं हिलता। तो जो भी होता है, सब भगवान ही करते हैं। जब हमें अपना पुरुषार्थ या उद्यम नहीं करना होता है, तो हम कह देते हैं कि जैसी भगवान की इच्छा। जब हमारा संकल्प मजबूत नहीं होता है, तब कह देते हैं कि भगवान की इच्छा। लेकिन, ये बात और जगहों पर लागू नहीं होती है। जब भगवान भोजन कराएंगे, तब करेंगे। जब भगवान सिनेमा दिखाएंगे, तब देखेंगे। हम अपनी इच्छा और प्रभु की इच्छा को अलग-अलग मानते हैं। ऐसे लोगों को 'अनुकूल सिंधु' कहते हैं। जो अपने अनुकूल हुआ, वह मैंने किया है और जो प्रतिकूल हुआ, वह भगवान ने किया। कहीं जीत हो जाए तो मैंने जीता और कहीं हार गए तो भगवान की इच्छा। हम यह नहीं कहते हैं कि हमने अपनी पूरी शक्ति नहीं लगाई थी, इसलिए हम हार गए।

गुरु का स्थान श्रेष्ठ

संकलित

प्रेरणा

एक राजा को पढ़ने लिखने का बहुत शौक था। एक बार उसने मंत्री-परिषद् के माध्यम से अपने लिए एक शिक्षक की व्यवस्था की। शिक्षक राजा को पढ़ाने के लिए आने लगा। गुरु तो रोज खूब मेहनत करते थे परन्तु राजा को उस शिक्षा का कोई लाभ नहीं हो रहा था। राजा बड़ा परेशान, गुरु की प्रतिभा और योग्यता पर सवाल उठाना भी गलत था क्योंकि वो एक बहुत ही प्रसिद्ध और योग्य गुरु थे। आखिर में एक दिन रानी ने राजा को सलाह दी कि राजन आप इस सवाल का जवाब गुरु जी से ही पूछ कर देखिये। राजा ने एक दिन हिम्मत करके गुरूजी के सामने अपनी जिज्ञासा रखी, हे गुरुवर क्षमा कीजिएगा, मैं कई महिनों से आपसे शिक्षा ग्रहण कर रहा हूँ पर मुझे इसका कोई लाभ नहीं हो रहा है। ऐसा क्यों है ? गुरु जी ने बड़े ही शांत स्वर में जवाब दिया- राजन इसका कारण बहुत ही सीधा सा है... गुरूजी ने कहा- राजन बात बहुत छोटी है परन्तु आप अपने बड़े होने के अहंकार के कारण इसे समझ नहीं पा रहे हैं और परेशान और दुखी हैं। माना कि आप एक बहुत बड़े राजा हैं। आप हर दृष्टि से मुझ से पद और प्रतिष्ठा में बड़े हैं परन्तु यहां पर आप का और मेरा रिश्ता एक गुरु और शिष्य का है।.. गुरु होने के नाते मेरा स्थान आपसे उच्च होना चाहिए, परन्तु आप स्वंय ऊँचे सिंहासन पर बैठते हैं और मुझे अपने से नीचे के आसन पर बैठाते हैं। बस यही एक कारण है जिससे आपको न तो कोई शिक्षा प्राप्त हो रही है और न ही कोई ज्ञान मिल रहा है। आपके राजा होने के कारण मैं आप से यह बात नहीं कह पा रहा था।

अंतर्मन

आज की पाती

पंचायती राज संस्थाओं को मजबूत बनाएं

महात्मा गांधी का कथन है कि पंचायती राज संस्थाएं लोकतंत्र की रीढ़ के समान हैं, जो कि दर्शाता है कि किसी भी लोकतंत्र में इन संस्थाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके लिए इन संस्थाओं में चुनकर आने वाले जनप्रतिनिधियों में योग्यता, अनुभव, लक्ष्य तथा जनहित में शुरू की गई सरकारी योजनाओं को बेहतर ढंग से कार्यान्वित करने की कार्यकुशलता जैसे गुणों का होना अति अनिवार्य है। प्राचीन काल में पंच परमेश्वर व्यवस्था से वर्तमान की हाईटेक पंचायती राज व्यवस्था तक का सफर कर चुकी ये संस्थाएं आज के समय में उतनी प्रभावी नहीं बन पाई है जितना इनको होना चाहिए था। हालांकि इन्हें सुदृढ़ बनाने के लिए सरकार की तरफ से प्रयास जारी हैं, जिन्हें तीव्र गति देने की जरूरत है। – *मदन अग्रवाल, रायगढ़*

ट्रेंड

जैव-बिटुमेन का उत्पादन

आज भारत के सड़क अवसंरचना के इतिहास में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल हुई है, क्योंकि हमारा देश व्यावसायिक रूप से जैव-बिटुमेन का उत्पादन करने वाला विश्व का पहला देश बन गया है। सीएसआईआर और उसके समर्पित वैज्ञानिकों को मेरी तरफ से हार्दिक बधाई।

- नितिन गडकरी, केंद्रीय राजमार्ग मंत्री

युवाओं की भूमिका

नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' बनाने में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज भोपाल निवास पर युवाओं से "विकसित भारत यंग लीडर संवाद" कार्यक्रम में बात की। आप अपने ऊर्जावान विचार व संकल्प से देश को नई दिशा दें और मध्यप्रदेश का गौरव बढ़ाएं।

-डॉ. मोहन यादव, सीएम, मध्यप्रदेश

शो-पीस बना खेल केंद्र

यह बेहद दुखद है कि जोधपुर में हमारी कांग्रेस सरकार द्वारा खिलाड़ियों के लिए बनाया गया प्रदेश का इकलौता स्पोर्ट्स इंस्टिट्यूट एवं हाई-परफॉर्मेंस खेल केंद्र आज एक शो-पीस बन कर रह गया है। खिलाड़ी इस संस्थान के लिए आवाज उठाएं।

- अशोक गहलोत, पूर्व सीएम, राजस्थान

विपक्ष में छटपटाहट

मनरेगा योजनाओं में जो लूट मची हुई थी, उसे वीबी-जीरामजी योजना के माध्यम से बंद कर दिया गया है। इस वजह से कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों में छटपटाहट मची हुई है।

-बाबूलाल मरांडी, पूर्व सीएम, झारखंड

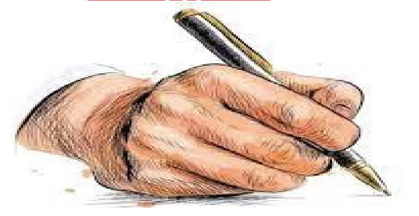

करंट अफेयर

सीआईए के पूर्व एजेंट एमेस की जेल में मृत्यु

अमेरिका की खुफिया जानकारियां सोवियत संघ को बेचने वाले सीआईए के पूर्व एजेंट एल्ड्रिक एमेस की 84 वर्ष की आयु में मैरीलैंड की जेल में मृत्यु हो गई। कारागार ब्यूरो के प्रवक्ता ने कहा कि एमेस की मृत्यु सोमवार को हुई। लगभग 31 साल तक अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए में काम करने वाले एमेस ने स्वीकार किया था कि उन्हें 1985 से 1994 तक अमेरिकी खुफिया जानकारी बेचने के लिए मॉस्को से 25 लाख डॉलर मिले थे। उन्होंने 10 रूसी अधिकारियों और एक पूर्वी यूरोपीय अधिकारी की पहचान बताई थी, जो अमेरिका या ब्रिटेन के लिए जासूसी कर रहे थे। इसके साथ ही उन्होंने उपग्रह के जरिये जासूसी से जुड़े अभियानों, गोपनीय बातचीत और जासूसी के सामान्य तरीकों की जानकारी भी दी थी। सोवियत संघ को जानकारी साझा करने से पश्चिमी देशों के कई खुफिया एजेंट की मौत हुई थी और यह शीत युद्ध के दौरान सीआईए के लिए बड़ा झटका था। उन्होंने जासूसी और कर चोरी के आरोप स्वीकार किए थे, जिसके बाद उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। अभियोजकों ने कहा कि उन्होंने वर्षों तक अमेरिका से महत्वपूर्ण खुफिया जानकारियां छिपाए रखीं।

ऑफ बीट

नई शुरुआत का उत्साह जल्दी पड़ जाता है फीका

हर जनवरी के साथ कार्यालयों में नयी शुरुआत का माहौल बनता है। नयी डायरी, नयी नोटबुक और व्यवस्थित कार्य सूची (टू-डू लिस्ट) के साथ यह उम्मीद रहती है कि इस साल सब कुछ अलग होगा। लेकिन फरवरी आते-आते वही योजनाएं अधूरी रह जाती हैं और शुरुआती उत्साह कम हो जाता है। आमतौर पर इसे अनुशासन या इच्छाशक्ति की कमी माना जाता है, लेकिन मनोविज्ञान इसके पीछे एक अलग ही तस्वीर पेश करता है। विशेषज्ञों के अनुसार, नयी शुरुआत हमें काम शुरू करने में तो मदद करती है, लेकिन लंबे समय तक टिके रहने में नहीं। नई शुरुआत क्यों लगती है प्रभावशाली– मनोवैज्ञानिक नयक साल को 'टेम्पोरल लैंडमार्क' मानते हैं, जो हमारे पुराने और नये रूप के बीच एक सीमा रेखा खींच देता है। 'टेम्पोरल लैंडमार्क' समय में आने वाले वे खास पल या घटनाएं होती हैं जो हमें अपने जीवन में ''नये सिरे से शुरुआत'' करने का अहसास दिलाती हैं। शोध के मुताबिक, ऐसे पड़ाव 'फ्रेश स्टार्ट इफेक्ट' पैदा करते हैं, जिससे लोग बड़े और आदर्श लक्ष्य तय करने के लिए खुद को अधिक प्रेरित महसूस करते हैं।

देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें कैडेट

ऑपरेशन सिंदूर ने राष्ट्र निर्माण में जनता की अनिवार्य भागीदारी के संदेश को मजबूत किया: ए.पी. सिंह

नयी दिल्ली। भारतीय वायु सेना के प्रमुख, एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह ने बृहस्पतिवार को ऑपरेशन सिंदूर के दौरान एनसीसी कैडेटों के योगदान की सराहना की और कहा कि इस सैन्य कार्रवाई ने इस संदेश को और मजबूत किया कि जीवन केवल पैसा कमाने या व्यक्तिगत इच्छाओं की पूर्ति के बारे में नहीं है, बल्कि देश के लिए कुछ करने के बारे में भी है।

दिल्ली छावनी में चल रहे राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) गणतंत्र दिवस शिविर में कैडेटों को संबोधित करते हुए, वायु सेना प्रमुख ने उनसे आग्रह किया कि वे देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते रहें, चाहे वे बाद में सशस्त्र बलों में शामिल हों या अन्य कोई पेशा अपनाएं। उन्होंने असफलताओं से हतोत्साहित न होने और किसी भी बाधा से और भी मजबूत होकर उबरने का आग्रह किया, और शीर्ष पद तक पहुंचने की अपनी यात्रा का उदाहरण दिया। सिंह ने कहा कि उन्हें भी अपने जीवन और करियर में असफलताओं का सामना करना पड़ा, लेकिन वे भारतीय वायु सेना के प्रमुख के पद तक पहुंचे और कहा कि यह उनके भाग्य में लिखा था। उन्होंने कहा, इसलिए, चाहे आप वर्दीधारी सैनिक हों या सैन्य नेतृत्व से जुड़े अधिकारी हों, या फिर एक सामान्य नागरिक ही क्यों न हों, अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहिए और राष्ट्र निर्माण में योगदान करना चाहिए। भारतीय वायु सेना प्रमुख ने एनसीसी कैडेटों से कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान नागरिक सुरक्षा गतिविधियों में उनके द्वारा निभाई गई भूमिका ने कई लोगों को प्रेरित किया। उन्होंने जोर देकर कहा, ऑपरेशन सिंदूर ने काफी जागरूकता फैलाई है। जीवन में सिर्फ पैसा कमाना या सिर्फ अपने लिए काम करना ही जरूरी नहीं है, देश के लिए कुछ करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। ऑपरेशन सिंदूर को भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा सात मई, 2025 की सुबह-सुबह पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाकर अंजाम दिया गया था। यह कार्वाई पिछले साल अप्रैल में हुए पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में की गई थी, जिसमें 26 नागरिकों की जान चली गई थी। अधिकारियों ने बताया कि इस अभियान के दौरान बड़ी संख्या में एनसीसी कैडेटों ने आपातकालीन अभ्यास, रक्तदान शिविरों और अन्य नागरिक सुरक्षा गतिविधियों में सहायता की। देश भर से 898 लड़कियों सहित कुल 2,406 एनसीसी कैडेट लगभग एक महीने तक चलने वाले इस शिविर में भाग ले रहे हैं, जिसका उद्घाटन सोमवार को उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने किया। इस शिविर का समापन 28 जनवरी को एनसीसी पीएम रैली के साथ होगा।

रूसी ध्वज वाले तेल टैंकर को रोकने में सहयोग कर स्टार्मर ने ट्रंप को किया फोन

लंदन। अमेरिकी तटरक्षक बल द्वारा उत्तरी अटलांटिक में रूसी ध्वज वाले तेल टैंकर को रोकने में ब्रिटेन के सशस्त्र बलों के आवश्यक सहयोग के बाद प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बात की। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के आवास सह कार्यालय डाउनिंग स्ट्रीट के एक बयान में, बुधवार शाम की बातचीत के बारे में कहा गया है।

उन्होंने (स्टार्मर और ट्रंप) प्रतिबंधों का उल्लंघन करने वालों पर नकेल कसने के साझा प्रयासों के तहत बेला। को रोकने के लिए संयुक्त अभियान, यूक्रेन पर हाल की प्रगति और वेनेजुएला में अमेरिकी अभियान पर चर्चा की। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि ब्रिटेन ने अपने अभियान में सहायता के लिए अमेरिकी अनुरोध का जवाब देते हुए रॉयल एयर फोर्स के टोही विमान और रॉयल नेवी के सहायक जहाज आरएफए टाइडफोर्स को तैनात किया। रक्षा मंत्री जॉन हीली ने कहा कि पूर्व नियोजित कार्वाई के लिए ब्रिटेन का सहयोग अंतरराष्ट्रीय कानून का पूर्ण अनुपालन था और उन्होंने कहा कि ब्रिटेन-अमेरिका के रक्षा और सुरक्षा संबंध विश्व में सबसे प्रगाढ़ हैं।

वेनेजुएला से संबंध रखने वाले टैंकर मैरिनेरा , जिसे पहले बेला। के नाम से जाना जाता था, पर अमेरिका ने ईरान विरोधी कार्वाई के तहत प्रतिबंध लगा दिया था और यह पाया गया कि वह समुद्र में मौजूदगी के दौरान अपने ट्रांसपोंडर बंद करने से पहले एक फर्जी ध्वज लहरा रहा था।

हीली ने कहा, रूस जा रहे जहाज बेला। को अमेरिका द्वारा सफलतापूर्वक रोकने में हमारी ब्रिटिश सशस्त्र सेनाओं ने कौशल का प्रदर्शन किया। यह कार्वाई प्रतिबंधों का उल्लंघन करने वालों पर नकेल कसने के वैश्विक प्रयासों का हिस्सा है।

संक्षेप

मणिपुर मामले में छह के खिलाफ आरोप तय

गुवाहाटी। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की विशेष अदालत ने मणिपुर में जातीय संघर्ष के दौरान मई 2023 में तीन महिलाओं को निर्वस्त्र किए जाने और उनमें से दो के साथ कथित तौर पर सामूहिक दुष्कर्म किए जाने के मामले में छह आरोपियों के खिलाफ आरोप तय किए हैं। इन छह आरोपियों पर सामूहिक दुष्कर्म, हत्या और दंगा सहित 15 आरोप लगाए गए हैं। विशेष न्यायाधीश चत्रा भुकन गोगोई की अदालत ने मामले की अगली सुनवाई की तारीख 16 जनवरी तय की है, और मणिपुर की जेल में बंद चार लोगों सहित सभी आरोपियों को व्यक्तिगत रूप से इस तारीख को अदालत के समक्ष पेश होना होगा। अन्य दो आरोपी जमानत पर जेल से बाहर हैं। विशेष न्यायालय ने दो जनवरी को पारित आदेश में आरोपी के खिलाफ 15 आरोप तय किए, जिसकी एक प्रति पीटीआई-भाषा के पास उपलब्ध है। यह मामला चार मई 2023 को भीड़ के बाद भड़की हिंसा की घटना से संबंधित है, इसमें तीन पीड़ितों को निर्वस्त्र करने के बाद घुमाया गया था और उनमें से दो से कथित तौर पर सामूहिक दुष्कर्म किया गया था, जबकि पीड़ितों में से एक के परिवार के सदस्यों की हत्या कर दी गई थी। काफी समय बाद एक वीडियो के सोशल मीडिया पर वायरल हो जाने के बाद यह घटना प्रकाश में आई।

भाजपा में शामिल हुए अंबरनाथ के 12 पार्षदों को अयोग्य घोषित करने की मांग करेगी कांग्रेस

मुंबई। कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई ने अंबरनाथ में पाला बदलने वाले अपने 12 पार्षदों के कदम को बृहस्पतिवार को अवैध एवं असंवैधानिक करार देते हुए कहा कि उन्हें अयोग्य घोषित करने के लिए वह कानूनी कार्रवाई शुरू करेगी। पार्टी के चिन्ह पर निर्वाचित होने के बाद कांग्रेस पार्षदों ने भाजपा से हाथ मिला लिया। पार्टी प्रवक्ता सचिन सावंत ने दावा किया कि पार्षदों ने कांग्रेस के चुनाव चिन्ह पर निर्वाचित होने के बाद दल-बदल करके संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन किया है। उन्होंने कहा कि यह कृत्य पूरी तरह से गैरकानूनी है। किसी पार्टी के चिन्ह पर निर्वाचित होने के बाद स्वतंत्र समूह बनाना या बाद में किसी अन्य राजनीतिक दल में शामिल होना न केवल अनैतिक है बल्कि असंवैधानिक भी है।

कांग्रेस पार्टी इन पार्षदों की सदस्यता रद्द कराने के लिए कानूनी कार्रवाई शुरू करेगी। जल्द ही इन सभी को कानूनी नोटिस जारी किए जाएंगे। अंबरनाथ नगरपालिका परिषद के 20 दिसंबर को हुए चुनाव के बाद, भाजपा ने (ठाणे जिले में) परिषद के नेतृत्व के लिए अंबरनाथ विकास आघाड़ी (एवीए) के बैनर तले अपने चिरप्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के साथ हाथ मिला लिया और अपनी सहयोगी शिवसेना को दरकिनार कर दिया, जो सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी।

अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन से भी अलग हुआ अमेरिका

संयुक्त राष्ट्र/वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र के कई निकायों और भारत-फ्रांस के नेतृत्व वाले अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) समेत 60 से अधिक अंतरराष्ट्रीय संगठनों से अमेरिका को बाहर निकालने का फैसला किया है। ट्रंप ने इन संस्थाओं को अनावश्यक और अमेरिका के हितों के विरुद्ध बताया। ट्रंप ने बुधवार को संयुक्त राज्य अमेरिका के हितों के प्रतिकूल अंतरराष्ट्रीय संगठनों, सम्मेलनों और संधियों से अमेरिका को बाहर निकालना शीर्षक वाले एक ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। हस्ताक्षर के बाद ट्रंप ने कहा कि उन्होंने यह निष्कर्ष निकाला है कि 66 संयुक्त राष्ट्र और गैर-संयुक्त राष्ट्र संगठनों का सदस्य बने रहना, उनमें भागीदारी करना या किसी भी रूप में उन्हें समर्थन देना अमेरिका के हितों के विपरीत है। व्हाइट हाउस द्वारा बुधवार को जारी एक पत्र के अनुसार, इनमें 31 संयुक्त राष्ट्र निकाय और 35 गैर-संयुक्त राष्ट्र संगठन शामिल हैं, जो अमेरिकी राष्ट्रीय हितों, सुरक्षा, आर्थिक समृद्धि या संप्रभुता के विरुद्ध कार्य करते हैं। ट्रंप ने सभी कार्यकारी विभागों और एजेंसियों को निर्देश दिया कि वे इन संगठनों

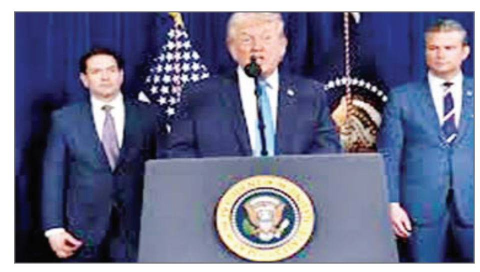

से अमेरिका को बाहर निकाले जाने संबंधी फैसले को यथाशीघ्र लागू करने के लिए तत्काल कदम उठाएं। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र निकायों के मामले में, कानून द्वारा अनुमेय सीमा तक, इन संस्थाओं में भागीदारी या वित्तपोषण समाप्त करना ही वापसी माना जाएगा। जिन संगठनों से अमेरिका अलग हो रहा है, उनमें जलवायु परिवर्तन पर भारत और फ्रांस की संयुक्त पहल अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) भी शामिल है। वर्तमान में आईएसए के 100 से अधिक देश हस्ताक्षरकर्ता हैं और 90 से अधिक देशों ने पूर्ण सदस्य बनने के लिए इसकी पुष्टि की है। संयुक्त राष्ट्र के एक प्रवक्ता ने कहा कि ट्रंप प्रशासन द्वारा जिन संगठनों से अमेरिका को बाहर निकाला जा रहा है, उनकी पूरी सूची उन्हें प्राप्त हो गई है और इस पर बृहस्पतिवार को टिप्पणी की जाएगी। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका के राजदूत माइक वॉल्ट्ज ने एक्स पर कहा कि अमेरिका अब उन अंतरराष्ट्रीय संगठनों को न तो वित्तपोषित करेगा और न ही उनमें भागीदारी करेगा, जो अमेरिकी हितों को पूरा नहीं करते या कई मामलों में उनके विरुद्ध हैं। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि ट्रंप प्रशासन ने इन 66 संस्थानों को अपने दायरे में अनावश्यक, कुप्रबंधित, अपव्ययी, खराब ढंग से संचालित, अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने वाले तत्वों के कब्जे में या देश की संप्रभुता, स्वतंत्रता और समग्र समृद्धि के लिए खतरा पाया है। रुबियो ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप इस बात को लेकर स्पष्ट हैं कि अमेरिकी जनता के खून-पसीने और धन को ऐसे संस्थानों पर खर्च करना अब स्वीकार्य नहीं है।

चार राज्यों में होगी बिस्मिल गन्ने की खेती, मिली मंजूरी

बरेली। उत्तर प्रदेश गन्ना अनुसंधान परिषद ने स्वतंत्रता सेनानी राम प्रसाद बिस्मिल के नाम पर बिस्मिल नामक गन्ने की एक नई उच्च उपज वाली किस्म विकसित की है, जिसे अब चार अन्य राज्यों में खेती के लिए मंजूरी मिल गई है।

परिषद के निदेशक वी. के. शुक्ला ने बताया कि यह किस्म जिसे पहले केवल उत्तर प्रदेश के लिए मंजूरी मिली थी। केंद्रीय समिति की हरी झंडी के बाद अब इसे हरियाणा, पंजाब, उत्तराखंड और राजस्थान में भी खेती के लिए भी मंजूरी मिल गई है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के तहत विकसित इस किस्म को आधिकारिक तौर पर सीओएसएचए 17231 (कोयंबटूर-शाहजहांपुर) नाम दिया गया है।

इस किस्म के ब्रीडर डॉ. अरविंद कुमार ने बताया कि यह किस्म गन्ने की फसल के लिए एक बड़ा खतरा

मानी जाने वाली लाल सड़न (रेड रॉट) से निपटने में सक्षम है। इसकी औसत पैदावार क्षमता 86.35 टन प्रति हेक्टेयर है जिसमें शर्करा प्राप्ति (गन्ने में पोल प्रतिशत) 13.97 प्रतिशत है।

वरिष्ठ वैज्ञानिक अजय तिवारी ने कहा कि यह नई किस्म किसानों की आय में काफी बढ़ोतरी करेगी और साथ ही चीनी उत्पादन को भी बढ़ाएगी। अधिकारियों ने बताया कि इस किस्म का नाम क्रांतिकारी राम प्रसाद बिस्मिल के सम्मान में बिस्मिल रखा गया है जिन्होंने काकोरी कांड में अहम भूमिका निभाई थी। बिस्मिल को भारत के स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान के लिए पहचाना जाता है।

प्रख्यात साहित्यकार ज्ञानरंजन का पार्थिव शरीर पंचतत्व में विलीन

जबलपुर। प्रसिद्ध कथाकार और साहित्यकार ज्ञानरंजन का 90 वर्ष की आयु में बुधवार रात यहां के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार बृहस्पतिवार दोपहर स्थानीय ग्वारी घाट मुक्तिधाम में किया गया। ज्ञानरंजन के पुत्र शांतनु ने अपने पिता की चिता को मुखाग्नि दी।

देश की प्रतिष्ठित साहित्यिक पत्रिकाओं में विशेष स्थान रखने वाली पत्रिका पहल के संपादक के रूप में काम कर चुके ज्ञानरंजन के निधन की खबर के साथ ही कथा और साहित्य जगत में शोक की लहर दौड़ गई तथा बड़ी संख्या में स्थानीय कथाकार एवं साहित्यकार और उनके चाहने वाले उनकी अंतिम यात्रा में शामिल हुए। ज्ञानरंजन के पारिवारिक मित्र पंकज स्वामी ने बताया कि वह वृद्धावस्था संबंधी बीमारियों से पीड़ित थे और बुधवार सुबह तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां रात साढ़े दस बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। साहित्यकार ज्ञानरंजन के परिवार में पत्नी सुनयना, पुत्री वत्सला और पुत्र शांतनु हैं। शांतनु ने कहा कि चलने-फिरने में असमर्थता के कारण उनके पिताजी को बुधवार शाम अस्पताल में भर्ती कराया गया था और डॉक्टरों की टीम ने उन्हें बचाने का पूरा प्रयास किया लेकिन सब विफल साबित हुआ। रात 10.30 बजे रक्तचाप कम हो जाने और शरीर के सारे महत्वपूर्ण अंगों के काम बंद करने से उनका निधन हो गया। आज हम लोग बहुत अकेलापन महसूस कर रहे हैं। ज्ञानरंजन का जन्म 21 नवम्बर 1936 को महाराष्ट्र के अकोला जिले में हुआ था। उनका प्रारम्भिक जीवन महाराष्ट्र, राजस्थान, दिल्ली, मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश में व्यतीत हुआ और फिर उन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से उच्च शिक्षा प्राप्त की। वर्ष 2013 में जबलपुर विश्वविद्यालय ने उन्हें मानद डॉक्टर ऑफ़ लिटरेचर की उपाधि प्रदान की।

सोनभद्र में स्कूल खोलने की शिकायत पर सिर फोड़ा

कोन /सोनभद्र । कोन थाना क्षेत्र के अंतर्गत कचनरवा विद्यालय में शीतलहर की छुट्टी में स्कूल खुलने का वीडियो बनाने पर स्कूल प्रबंधक ने सिर फोड़ दिया। पहले युवक का मोबाइल छीन लिया। स्कूल खुलने का वीडियो वायरल होने पर उसके पिता की बीच बाजार में पिटाई कर दी। इसका वीडियो भी सामने आया है। मामला, सोनभद्र के कचनरवा गांव में आदर्श पब्लिक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का है। पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज कर ली है। युवक के पिता दूसरे स्कूल में काम करते हैं अब पूरा मामला समझिए... कड़ाके की ठंड की वजह से डीएम ने 14 जनवरी तक आठवीं तक के स्कूल बंद करने के आदेश दिए हैं, लेकिन कचनरवा गांव में आदर्श पब्लिक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बुधवार को खुला था।

नगर पालिका बांसी के फल मण्डी में लगी आग, 02 व्यापारियों का हुआ लाखों का नुकसान

सिद्धार्थनगर। जिले के बांसी कोतवाली क्षेत्र अन्तर्गत रानी लक्ष्मीनगर नरकटहा स्थित बांसी फल मण्डी में बुधवार देर सांय भीषण आग लगने से हड़कम्प मच गया। आपको बता दें कि उक्त घटना उत्तर प्रदेश के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री जय प्रताप सिंह के महल से सटी फल मण्डी में हुई, जहां अज्ञात कारणों से कई कैरेट फल आग की चपेट में आ गये। आग की लपटें और धुएं का गुबार करीब कई किलोमीटर दूर तक आसमान में दिखाई देता रहा। वहीं आगजनी घटना बुधवार देर सांय करीब 8 बजे की बताई जा रही है।

'पर्यटन मित्र' 'पर्यटन दीदी' और स्वदेश दर्शन की पहल

यूं कुलांचे भरेगा देसी पर्यटन, ओरछा को भी किया शामिल

नई दिल्ली

पर्यटन मंत्रालय ने 'पर्यटन मित्र' और 'पर्यटन दीदी' पहल के तहत पायलट परियोजनाओं के लिए 7 प्रमुख पर्यटन स्थलों की पहचान की है। इनमें मध्य प्रदेश का ओरछा, आंध्र प्रदेश का गांडीकोटा, बिहार का बोधगया, मिजोरम की राजधानी आइजोल, राजस्थान का जोधपुर, जम्मू-कश्मीर का श्रीनगर और अंडमान-निकोबार द्वीप समूह का श्री विजयपुरम शामिल हैं। इन स्थलों पर स्थानीय युवाओं और महिलाओं को प्रशिक्षित कर उन्हें पर्यटन से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। पर्यटकों के लिए ये गाइड का काम करेंगे।

विश्व पर्यटन दिवस 2024 के अवसर पर पर्यटन मंत्रालय ने इस पहल का विस्तार करते हुए देश के 50 प्रमुख पर्यटन स्थलों पर पर्यटन मित्र और पर्यटन दीदी कार्यक्रम लागू किया। योजना के अंतर्गत लगभग 4,382 लोगों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है, जिससे रोजगार के नए अवसर सृजित हुए हैं मिल रही हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अपनी क्षमता निर्माण सेवा प्रदाता योजना के तहत अल्पकालिक आतिथ्य और पर्यटन कौशल विकास कार्यक्रम भी मंत्रालय संचालित कर रहा है। इनमें हुनर से रोजगार तक, स्किल टेस्टिंग सर्टिफिकेट जैसे कार्यक्रम शामिल हैं, जिनका उद्देश्य पर्यटन से जुड़े सेवा प्रदाताओं को व्यावसायिक प्रशिक्षण देना है। मंत्रालय इन्क्रेडिबल इंडिया टूरिस्ट फैसिलिटेटर और इन्क्रेडिबल इंडिया टूरिस्ट गाइड प्रमाणन कार्यक्रम भी चला रहा है। इन कार्यक्रमों का लक्ष्य देशभर में, विशेषकर दूरदराज और पर्यटन संभावनाओं वाले क्षेत्रों में, प्रशिक्षित और पेशेवर टूरिस्ट गाइड एवं फैसिलिटेटर्स की मजबूत श्रृंखला तैयार करना है।

5 गांवों की पहचान की

पर्यटन मंत्रालय ने चैलेंज बेस्ड डेस्टिनेशन डेवलपमेंट पहल के अंतर्गत वाइब्रेंट विलेजेज को एक थीम के रूप में शामिल किया है। इसके तहत पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए 5 गांवों की पहचान की गई है। इनमें अरुणाचल प्रदेश का किबिथो, हिमाचल प्रदेश का रकछाम-छितकुल, सिक्किम का ग्राथांग और उत्तराखंड के जादुंग एवं माणा गांव शामिल हैं। इनके लिए 24.90 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं। अंतरिम बजट 2024-25 में केंद्र सरकार ने राज्यों को प्रतिष्ठित पर्यटन केंद्रों के समग्र विकास, ब्रांडिंग और वैश्विक स्तर पर प्रचार के लिए प्रोत्साहित करने की घोषणा की है। इसके तहत गुणवत्ता और सेवाओं के आधार पर रेटिंग फ्रेमवर्क तैयार किया जाएगा तथा राज्यों को 50 वर्षों के लिए दीर्घकालिक, ब्याज-मुक्त ऋण उपलब्ध कराए जाएंगे।

जरूरतमंदों को दिया गया कंबल, कराया गया भोजन: भिखारी बाबा

सोनभद्र। रामगढ़ कसारी शिव सरोवर पर स्थित भिखारी बाबा आश्रम पर बुधवार को जरूरतमंदों को कंबल दिया गया तथा उन्हें भोजन भी कराया गया। इसके अलावा शिव शक्ति महिला मंडल द्वारा महिलाओं को नशा मुक्ति के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम के आयोजक भिक्षुक भिखारी उर्फ जंगली बाबा उर्फ दीनबंधु उर्फ रमाशंकर गिरी जी महाराज ने बताया कि प्रत्येक वर्ष ठंड से बचाव के लिए सामाजिक कार्य करने वाले लोगों से सहयोग लेकर आश्रम पर जरूरतमंद लोगों में कंबल का वितरण किया जाता है। इसी के परिप्रेक्ष्य में 7 जनवरी बुधवार को कंबल वितरण का आयोजन किया गया। हर जरूरतमंदों को कंबल दिया गया और उन्हें भोजन भी कराया गया। यह कार्यक्रम देर शाम तक चलता रहा। भिखारी बाबा ने बताया कि शिव शक्ति महिला मंडल द्वारा नशा मुक्ति के प्रति महिलाओं को जागरूक किया गया। कंबल उपलब्ध कराने में विशेष योगदान लैंको प्रबंधक एसके द्विवेदी, रामचंद्र गुप्ता, जय प्रकाश केशरी, मातूराम जैन, पवन अग्रवाल, हरीश अग्रवाल, विनय अग्रवाल, अप्रेरण अग्रवाल, मुरली अग्रवाल, जितेंद्र बहादुर सिंह राय साहब, सालिक राम साहू, समाजसेविका ज्योति केशरी, शिव शक्ति महिला मंडल की अध्यक्ष किरन मोदनवाल, चिंता मौर्या, विनीता गुप्ता, शशि उमर वैश्य, सुशीला पाठक का रहा। नक्सल प्रभावित क्षेत्र में 2 जनवरी को गायमाता धाम खोडैला में जिला प्रशासन और समाजसेवी लोगों की मदद से हजारों की संख्या में जरूरतमंदों के बीच कंबल का वितरण कराया गया और विशाल भंडारा चलाकर लोगों को भोजन भी कराया गया था। जिसमें नक्सल प्रभावित क्षेत्र में तैनात 20 सीआरपीएफ जवानों को भी कंबल दिया गया था और उन्हें भोजन कराया गया था। इसमें छात्र शक्ति के मालिक विधायक उमाशंकर सिंह के मैनेजर पंकज सिंह, बोरवेल के आनंद सिंह का विशेष योगदान रहा।

न्यायालय तहसीलदार पत्थलगांव, जिला–जशपुर (छ०ग०)
रा०मा०क्र०–/अ–21/2025–26
ग्रामः मदनपुर इंजको, तहसील पत्थलगांव
ईश्तहार

एतद् द्वारा आम जनता ग्राम पंचायत, मदनपुर इंजको को सूचित किया जाता है कि आवेदिका पायल अग्रवाल पति दीपक अग्रवाल जाति अग्रवाल, निवासी ग्राम मदनपुर इंजको, तहसील पत्थलगांव जिला जशपुर (छ०ग०) के द्वारा ग्राम मदनपुर इंजको, प०ह०नं० 04 रा०नि०मं०/ तहसील पत्थलगांव जिला जशपुर (छ०ग०) में स्थित अपने स्वामित्व की व्यपवर्तित (व्यावसायिक प्रयोजन) भूमि ख०न० 499/11/क रकबा 0.170 हे0 में से रकबा 0.060 हे० भूमि को अपने निजी कार्य हेतु रुपए की आवश्यकता पड़ने पर अनावेदक संदीप अग्रवाल पिता रमेश अग्रवाल, निवासी ग्राम पत्थलगांव को विक्रय पत्र के माध्यम से अंतरण किये जाने की अनुमति प्रदाय किये जाने की हेतु कलेक्टर महोदय जशपुर (छ०ग०) को आवेदन पत्र प्रस्तुत करने पर प्रकरण अनुविभागीय अधिकारी (रा०) पत्थलगांव के माध्यम से इस न्यायालय को जाँच कर प्रतिवेदन हेतु प्राप्त हुआ है। प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। उक्त भूमि का विक्रय पत्र के माध्यम से किये जाने के संबंध में जिस किसी व्यक्ति को उजर आपत्ति या दावा हो वह स्वंय अथवा मान्य अधिवक्ता अथवा वैध अभिकर्ता के मय दस्तावेज दावा या आपत्ति दिनांक 28/01/2026 तक न्यायालय में पेश कर सकता है। नियत समय पश्चात प्राप्त दावा या आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 09/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

तहसीलदार पत्थलगांव
जिला-जशपुर

न्यायालय तहसीलदार पत्थलगांव, जिला–जशपुर (छ०ग०)
रा०मा०क्र०–/अ–21/2025–26
ग्रामः– मदनपुर इंजको, तहसील पत्थलगांव
ईश्तहार

एतद् द्वारा आम जनता ग्राम पंचायत, मदनपुर इंजको को सूचित किया जाता है कि आवेदिका पायल अग्रवाल पति दीपक अग्रवाल जाति अग्रवाल, निवासी ग्राम मदनपुर इंजको, तहसील पत्थलगांव जिला जशपुर (छ०ग०) के द्वारा ग्राम मदनपुर इंजको, प०ह०नं० 04 रा०नि०मं० / तहसील पत्थलगांव जिला जशपुर (छ०ग०) में स्थित अपने स्वामित्व की व्यपवर्तित (व्यावसायिक प्रयोजन) भूमि ख0न0 499/11/क रकबा 0.170 हे0 में से रकबा 0. 060 हे० भूमि को अपने निजी कार्य हेतु रुपए की आवश्यकता पड़ने पर अनावेदिका मोनु अग्रवाल पति शशांक मित्तल, निवासी ग्राम पत्थलगांव को विक्रय पत्र के माध्यम से अंतरण किये जाने की अनुमति प्रदाय किये जाने की हेतु कलेक्टर महोदय जशपुर (छ०ग०) को आवेदन पत्र प्रस्तुत करने पर प्रकरण अनुविभागीय अधिकारी (रा०) पत्थलगांव के माध्यम से इस न्यायालय को जाँच कर प्रतिवेदन हेतु प्राप्त हुआ है। प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। उक्त भूमि का विक्रय पत्र के माध्यम से किये जाने के संबंध में जिस किसी व्यक्ति को उजर आपत्ति या दावा हो वह स्वंय अथवा मान्य अधिवक्ता अथवा वैध अभिकर्ता के मय दस्तावेज दावा या आपत्ति दिनांक 28/01/2026 तक न्यायालय में पेश कर सकता है। नियत समय पश्चात प्राप्त दावा या आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 09/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

तहसीलदार पत्थलगांव
जिला-जशपुर

न्यायालय तहसीलदार लटोरी जिला सूरजपुर (छ०ग०)
रा०प्र०क्र०ब/121 वर्ष
ग्राम–अखोराकला प०ह०न०
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक जगसाय आ. नामिक जाति गोड़ रा०नि०म० निवासी ग्राम अखोराकला तहसील लटोरी जिला सूरजपुर (छ.ग.) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के माता स्व. पांचो कौशिक का मृत्यु दिनांक 16/12/2015 को ग्राम अखोराकला में हुई है। अज्ञानतावश मृत्यु पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत अखोराकला को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 29-01-2026 तक अपना दावा आपत्ति इस न्यायायल में पेश कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 09-01-2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से नारी किया गया ।

कार्यपालिक डण्डाधिकारी
लटोरी
जिला सूरजपुर छ०ग०

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)
रा.प्र.क्र.ब/121 वर्ष
ग्राम – पटियाडांड प.ह.न. 16
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक किशुन राम पैकरा पिता अकालूराम जाती कंवर निवासी ग्राम पटियाडांड प.ह.न.16 रा.नि.मं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छःग) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पुत्र/पुत्री विनेश्वरी का जन्म दिनांक 01.06.2006.को ग्राम पटियाडांड में हुई है।

अज्ञानतावश जन्म पंजीयन नही करा पाया है। आवेदक अपने पुत्र/पुत्री विनेश्वरी का जन्म पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत पटियाडांड को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 12/01/26.तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 24/12/25 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।

नायब तहसीलदार
भैयाथान जिला सूरजपुर

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)
रा.प्र.क्र.ब/121 वर्ष
ग्राम – प.ह.न.
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक किशुनराम पैकरा पिता अकालूराम जाति कंवर पं निवासी ग्राम पटियाडांड .प.ह.न 16.रा.नि.मं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पुत्र / पुत्री शैलेन्द्र कुमार पैकरा आ.किशुन राम का जन्म दिनांक 15.07.2010 को ग्राम पटियाडांड में हुई है, अज्ञानतावश जन्म पंजीयन नहीं करा पाया है। आवेदक अपने पुत्र शैलेन्द्र कुमार पैकरा का जन्म पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत पटियाडाड़ को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 12/01/2026 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 24/12/25 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

नायब तहसीलदार
भैयाथान जिला सूरजपुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा०) भैयाथान, जिला सूरजपुर (छ०ग०)
ईश्तहारः–
रा०प्र०क्र०.../अ–2/2025–26

एतद् द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम पंचायत जमड़ी/नगर पंचायत/नगर पालिका परिषद जिला सूरजपुर को सूचित किया जाता है कि श्री.पिताम्बर राम कुशवाहा पिता/पति श्री मोती लाल कुशवाहा के द्वारा अपने स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि खसरा नं०150/5 रकबा 0.04.हे०जो ग्राम पंचायत जमड़ी प.ह.नं 12 रा०नि०मं० भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर में स्थित है के आवासीय भू-परिवर्तन (डायवर्सन) हेतु इस न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त संबंध में ग्राम पंचायत/नगर पंचायत/नगर पालिका निगम क्षेत्र के किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से प्रकरण में नियत दिनांक 16/01/2026 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति पेश कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।आज दिनांक 02/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायलय की मुद्रा से जारी किया गया है।

अनुविभागीय अधिकारी (रा०)
भैयाथान जिला-सूरजपुर (छ०ग०)

मेडिसिन पैकिंग पर मौजूद इन इंडिकेशंस पर करें गौर

आप भी अकसर डॉक्टर की प्रिस्क्रिप्शन पर या अपनी जानकारी के आधार पर मेडिकल स्टोर से दवा ले आते होंगे। लेकिन दवा लेते समय सावधानी रखें और उसकी पैकिंग पर दर्ज कुछ मार्क्स या इंडिकेशंस पर गौर करें। इनमें से कुछ के बारे में यहां बता रहे हैं।

अवेयरनेस

प्रतिभा अग्निहोत्री

हम सभी को कभी न कभी किसी रोग के उपचार में डॉक्टर के पास जाना ही पड़ता है। अकसर देखा जाता है कि डॉक्टर का प्रिस्क्रिप्शन लेकर हम मेडिकल स्टोर पर जाते हैं और दवा लेकर चले आते हैं। कई बार कुछ दवाइयां बच भी जाती हैं और हम उन्हें उठाकर रख देते हैं। घर-परिवार में किसी अन्य सदस्य को वैसी ही बीमारी होने पर हम वही दवा उसे भी दे देते हैं या फिर प्रिस्क्रिप्शन देखकर अकसर मेडिकल स्टोर से बिना सोचे-विचारे, बिना डॉक्टर से कंसल्ट किए दवा खरीदकर खा लेते हैं। इससे कई बार दवा का रिएक्शन हो जाता है और तबियत बिगड़ भी जाती है। कुछ दवाइयां ऐसी होतीं हैं, जिन्हें विशेष बीमारियों के लिए ही दिया जाता है। इनकी स्ट्रिप या पैकिंग पर कुछ निशान बने या इंडिकेशन लिखे होते हैं, जिन पर हम कभी ध्यान ही नहीं देते, जबकि इन्हें जानना अत्यंत आवश्यक होता है। ऐसी कोई भी दवाई आपके घर में है तो इन्हें लेने से पूर्व डॉक्टरी सलाह अवश्य लें।

रेड कलर की लाइन: सभी एंटीबायोटिक दवाइयों पर साइड में लाल रंग की एक धारी बनी होती है, जिसका तात्पर्य होता है कि इन्हें डॉक्टर की प्रिस्क्रिप्शन के बिना बेचा और खरीदा नहीं जा सकता। ये दवाइयां टी. बी., मलेरिया, यूरिनरी इंफेक्शन और एच. आई. वी. जैसी गंभीर बीमारियों में दी जाती हैं। रेड लाइन मार्क होने का उद्देश्य ही इनकी ओपेन सेलिंग पर रोक लगाना है।

Rx(आरएक्स): कुछ दवाइयों के नाम के सबसे ऊपर साइड में आरएक्स लिखा होता है। इसका मतलब है कि ऐसी दवाइयों का सेवन केवल डॉक्टर की सलाह से ही किया जा सकता है। इसे केवल वही खरीद सकता है, जिसे डॉक्टर ने अपने पर्चे पर लिखकर दिया हो। ऐसी दवाएं अपने मन से खरीदकर नहीं खानी चाहिए।

NRx (एनआरएक्स): यह भी कुछ दवाइयों के नाम के सबसे ऊपर ही लिखा होता है। चूंकि ये नशीली दवाइयां होतीं है। इसलिए इन्हें केवल वही डॉक्टर प्रिस्क्रिप्शन पर लिख सकते हैं, जिन्हें इन्हें लिखने का लाइसेंस प्राप्त हो और लाइसेंस होल्डर मेडिकल स्टोर ही इनको बेच सकते हैं। मस्तिष्क संबंधी और मिर्गी जैसी गंभीर मानसिक बीमारियां इसी केटेगरी में आती हैं।

XRx(एक्सआरएक्स): एक्सआरएक्स मार्क्ड दवाएं सीधे मेडिकल स्टोर से नहीं खरीदी जा सकती हैं। ये केवल उन डॉक्टरों के पास होती हैं, जिनके पास इनका लाइसेंस होता है। इसे डॉक्टर सीधे मरीज को दे सकते हैं। एनेस्थीसिया में दी जाने वाली दवाइयां इसी श्रेणी में आती हैं।

H या Hx (एच या एचएक्स): जिन दवाओं की पैकिंग पर यह मार्क किया हुआ होता है, वे बहुत खतरनाक दवाइयां होतीं हैं। ये स्वास्थ्यकर्मियों के लिए भी खतरनाक होती हैं। कीमोथेरेपी की दवाइयां इसी श्रेणी में आती हैं। इसलिए इन्हें विशेष रूप से हैंडल करने की आवश्यकता होती है। ये दवाएं सीधे मेडिकल स्टोर से नहीं खरीदी जा सकती हैं।

शेड्यूल H1 (एच वन): यह प्रिंट भारतीय दवा कानून से संबंधित है। दवाओं की पैकिंग पर यह प्रिंट विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। यह दवाओं की एक विशेष श्रेणी है। इस प्रिंट की दवाएं हार्ड एंटीबायोटिक्स या ऐसी ही तेज दवाएं होती हैं। इन्हें बिना डॉक्टरी प्रिस्क्रिप्शन के नहीं खरीदा जा सकता। इनकी बिक्री के लिए मेडिकल स्टोर को अलग से परमिशन लेनी पड़ती है, उसका रिकॉर्ड रखना होता है।

दवा खरीदते समय इन इंडिकेशंस को ध्यान में रखना चाहिए और बिना डॉक्टर से कंसल्ट किए कोई दवा नहीं खरीदनी चाहिए। *

देश-दुनिया में हर साल लाखों महिलाएं सर्वाइकल कैंसर की चपेट में आती हैं। समय पर जांच और उपचार न करवाने से बड़ी संख्या में महिलाओं की डेथ भी हो जाती है। जबकि अगर शुरुआत से ही बच्चियों और महिलाओं को इसके प्रति अवेयर किया जाए और बचाव के सभी संभव उपाय अपनाए जाएं तो इससे बचाव और उपचार संभव है। सर्वाइकल कैंसर अवेयरनेस मंथ (जनवरी) पर इस बारे में दे रहे हैं बहुत उपयोगी जानकारियां।

सर्वाइकल कैंसर सुरक्षा के लिए अपनाएं बचाव के सभी उपाय

डॉक्टर्स एडवाइस

डॉ. योगेश कुलकर्णी
हेड-गायनेकोलॉजिक ऑन्कोलॉजी, रोबोटिक सर्जन
कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल, मुंबई

विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के अनुसार, सर्वाइकल कैंसर दुनिया भर में महिलाओं में होने वाला चौथा सबसे कॉमन कैंसर है। भारत में यह स्थिति और भी गंभीर है, जहां हर साल लगभग 1.25 लाख नए मामले सामने आते हैं और लगभग 75,000 महिलाओं की मृत्यु इस बीमारी के कारण हो जाती है। सबसे दुःखद बात यह है कि जानकारी के अभाव में अधिकांश महिलाएं अस्पताल तब पहुंचती हैं, जब बीमारी अंतिम चरण में होती है।

सर्वाइकल कैंसर का कारण

सर्वाइकल कैंसर, गर्भाशय के निचले हिस्से (जिसे 'सर्विक्स' या गर्भाशय ग्रीवा कहा जाता है) की कोशिकाओं में विकसित होता है। इस कैंसर का मुख्य कारण ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) है। यह वायरस यौन संपर्क के माध्यम से फैलता है। हालांकि शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली अकसर इस वायरस से लड़ लेती है, लेकिन कुछ मामलों में यह वायरस वर्षों तक शरीर में बना रहता है और अंततः कैंसर का रूप ले लेता है। यदि एचपीवी संक्रमण को पहचाना नहीं गया और उसका समय पर इलाज नहीं किया गया, तो गर्भाशय ग्रीवा की असामान्य कोशिकाएं कैंसर का रूप ले सकती हैं।

वैक्सीनेशन से मिलती है सुरक्षा

सर्वाइकल कैंसर से बचने का सबसे प्रभावी तरीका एचपीवी वैक्सीन है। यह टीका शरीर में उन विशिष्ट (एचपीवी) वायरस के खिलाफ एंटीबॉडी बनाता है, जो कैंसर के लिए जिम्मेदार होते हैं। इस बारे में कुछ बातें जानना आपके लिए बहुत आवश्यक है।

सही उम्र: टीकाकरण का लाभ तब सबसे अधिक होता है, जब यह वायरस के संपर्क में आने से पहले, यानी यौन सक्रिय होने से पहले दिया जाए। विशेषज्ञों का मानना है कि 9 से 14 वर्ष की उम्र सबसे उपयुक्त होती है क्योंकि इस दौरान शरीर की प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया सबसे मजबूत होती है। 15 से 45 वर्ष की महिलाएं भी यह टीका लगवा सकती हैं। हालांकि उम्र बढ़ने के साथ इसकी प्रभावशीलता थोड़ी कम हो सकती है, लेकिन यह फिर भी कैंसर से सुरक्षा प्रदान करता है।

वैक्सीन डोज: वैक्सीन की डोज, महिला की आयु पर निर्भर करती है। 9 से 14 वर्ष आयु वर्ग की बच्चियों को 2 डोज लगवानी होती है। पहली डोज के 6 महीने बाद दूसरी डोज। जबकि 15 से 45 वर्ष आयु की किशोरियों और महिलाओं को 3 डोज लगावानी होती है। पहली डोज के 1-2 महीने बाद दूसरी और 6 महीने बाद तीसरी। यदि किसी महिला की रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्यूनिटी) बहुत कमजोर है, तो उन्हें डॉक्टर 3 खुराक की सलाह दे सकते हैं, भले ही उनकी उम्र 15 वर्ष से कम हो। स्वदेश निर्मित वैक्सीन लॉन्च हो चुकी है। यह वैक्सीन विदेशी टीकों की तुलना में काफी सस्ती है।

स्क्रीनिंग क्यों है जरूरी

सिर्फ वैक्सीन लगवाना ही काफी नहीं है। 30 वर्ष की आयु के बाद हर महिला को नियमित रूप से पैप स्मीयर या एचपीवी डीएनए टेस्ट करवाना चाहिए। ये टेस्ट कैंसर होने से पहले की स्थिति का पता लगा लेते हैं, जिससे समय रहते इलाज संभव हो पाता है।

ये लक्षण कभी न करें इग्नोर

शुरुआती चरणों में इस कैंसर के कोई विशेष लक्षण नहीं दिखते हैं लेकिन बीमारी बढ़ने पर कुछ लक्षण सामने आ सकते हैं।

- पीरियड्स के बीच में या शारीरिक संबंध के बाद असामान्य रक्तस्राव।
- मेनोपॉज (मासिक धर्म बंद होने) के बाद ब्लीडिंग होना।
- योनि (वेजाइना) से दुर्गंधयुक्त सफेद या गुलाबी पानी आना।
- पेल्विक एरिया (पेड़ू) में लगातार दर्द रहना।

सर्वाइकल कैंसर का उपचार

यदि किसी महिला में स्क्रीनिंग के दौरान सर्वाइकल कैंसर की पुष्टि होती है, तो इसका उपचार कैंसर के चरण (स्टेज), ट्यूमर के आकार और महिला की उम्र के आधार पर तय किया जाता है। यदि शुरुआती चरणों में पता चल जाए, तो यह पूरी तरह ठीक हो सकता है। उपचार के मुख्य तरीके निम्नलिखित हैं-

सर्जरी: जब कैंसर केवल गर्भाशय ग्रीवा (सर्विक्स) तक सीमित होता है, तो डॉक्टर सर्जरी की सलाह देते हैं।

कोन बायोप्सी: इसमें केवल कैंसर प्रभावित हिस्से को हटाया जाता है, जिससे महिला भविष्य में गर्भधारण कर सकती है।

हिस्टेरेक्टॉमी: इसमें गर्भाशय और ग्रीवा को पूरी तरह से निकाल दिया जाता है। यह आमतौर पर तब किया जाता है जब कैंसर फैलने का डर हो।

रेडिएशन थेरेपी: इसमें उच्च ऊर्जा वाली किरणों (जैसे एक्स रेज) का उपयोग कैंसर कोशिकाओं को नष्ट करने के लिए किया जाता है। यह दो तरह की होती है-

एक्सटर्नल बीम रेडिएशन: शरीर के बाहर से किरणों को ट्यूमर पर लक्षित किया जाता है।

ब्रेकीथेरेपी: इसमें रेडियोधर्मी सामग्री को शरीर के भीतर कैंसरग्रस्त भाग के पास रखा जाता है।

कीमोथेरेपी: इसमें शक्तिशाली दवाओं का उपयोग किया जाता है जो रक्त के माध्यम से पूरे शरीर में फैलती हैं और कैंसर कोशिकाओं को मारती हैं। अकसर बेहतर परिणामों के लिए रेडिएशन और कीमोथेरेपी को एक साथ (कीमोरेडिएशन) दिया जाता है।

टार्गेटेड थेरेपी और इम्यूनोथेरेपी: इसमें एडवांस्ड चरणों में, ऐसी दवाओं का उपयोग किया जाता है, जो केवल विशिष्ट कैंसर कोशिकाओं पर हमला करती हैं या शरीर की अपनी प्रतिरक्षा प्रणाली को कैंसर से लड़ने के लिए मजबूत बनाती हैं।

उपचार के बाद निगरानी: इलाज पूरा होने के बाद भी नियमित जांच अत्यंत आवश्यक है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कैंसर वापस नहीं आ रहा है। हेल्दी डाइट और डॉक्टर के बताए निर्देशों का पालन रिकवरी में मदद करता है।

इससे बढ़ता है रिस्क

मोटापा, सर्वाइकल कैंसर का जोखिम भरा कारक है। इसलिए इसे कंट्रोल करने के लिए संतुलित पौष्टिक आहार ग्रहण करना और नियमित रूप से व्यायाम करना आवश्यक है। जो महिलाएं मोटापे से ग्रस्त नहीं हैं, उन्हें भी अपनी उम्र और शारीरिक क्षमता के अनुसार नियमित रूप से व्यायाम करना चाहिए और अपने डॉक्टर या डाइटिशियन से परामर्श लेकर हेल्दी डाइट ग्रहण करना चाहिए। किसी भी तरह का मादक पदार्थ और तंबाकू का सेवन हानिप्रद है। कई लोगों के साथ यौन संबंध बनाने से बचने और कंडोम का उपयोग करने से एचपीवी के जोखिम को कम करने में मदद मिल सकती है। *

रोकथाम में आहार का महत्व

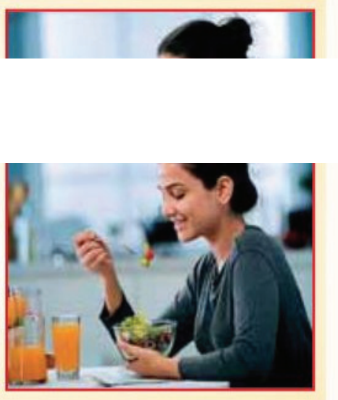

सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम में स्वास्थ्यकर आहार की भी अपनी भूमिका है। एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर खाद्य पदार्थों जैसे, फलों और सब्जियों का नियमित रूप से सेवन करने से एचपीवी संक्रमण और गर्भाशय ग्रीवा में इसके कारण होने वाले सेलुलर परिवर्तनों से सफलतापूर्वक निपटने में मदद मिल सकती है। विटामिन-ए, विटामिन-सी, डी, ई, फोलेट और फ्लेवोनोइड जैसे पोषक तत्व गर्भाशय ग्रीवा की कोशिकाओं को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं।

प्रस्तुतिः विवेक शुक्ला

फिटनेस

डॉ. माजिद अलीम

स्ट्रेचिंग केवल वार्मअप का तरीका नहीं होती है। इसे सही तरीके से रेग्युलर किया जाए तो इससे कंप्लीट एक्सरसाइज के फायदे हासिल किए जा सकते हैं। इससे क्या फायदे होते हैं, इसके प्रमुख प्रकार कौन से हैं, बता रहे हैं यहां।

कंप्लीट एक्सरसाइज है स्ट्रेचिंग

आमतौर पर मानते हैं कि स्ट्रेचिंग, सिर्फ यह होती है कि कमर झुकाओ और अपने पैरों को छू लो। स्ट्रेचिंग, वर्कआउट से पहले केवल वार्म-अप करना भी नहीं है बल्कि यह अपने आप में एक्सरसाइज है।

होते हैं कई फायदे

स्ट्रेचिंग से दिल और दिमाग रिलैक्स होता है और रोजमर्रा के जीवन के तनावों को दूर करने में मदद मिलती है। शरीर को भी इससे बहुत फायदा मिलता है। इसीलिए स्ट्रेचिंग को एक कंप्लीट एक्सरसाइज माना जाता है क्योंकि इससे शरीर में फ्लेक्सिबिलिटी (लचीलापन) बढ़ती है। स्ट्रेचिंग से मांसपेशियों और जोड़ों की रेंज ऑफ मोशन बढ़ती है, जिससे शरीर ज्यादा सक्रिय और लचीला बनता है।

बेहतर होता है ब्लड सर्कुलेशन

जब हम स्ट्रेच करते हैं, तो मांसपेशियों में रक्त प्रवाह बढ़ता है। यह ऑक्सीजन और पोषक तत्वों की आपूर्ति बढ़ाकर ऊतकों की सेहत सुधारता है। इससे तनाव और मानसिक थकान भी कम होती है। धीमी और गहरी स्ट्रेचिंग, खासकर सांस पर फोकस के साथ, मानसिक तनाव को कम करती है। कई बार इसे मेडिटेटिव (ध्यानात्मक) गतिविधि के रूप में भी अपनाया जाता है।

मांसपेशियां होती हैं मजबूत

नियमित स्ट्रेचिंग से मांसपेशियों की लंबाई और संतुलन बनाए रखने में मदद मिलती है, जो शरीर की सही मुद्रा को सपोर्ट करता है। इसीलिए संतुलित फिटनेस कार्यक्रम की एक मुख्य कड़ी के रूप में स्ट्रेचिंग को चिन्हित किया जाता है। इससे चोट लगने का खतरा कम होता है, शरीर की मूवमेंट बढ़ जाती है, बॉडी रिलैक्स होती है, एक्सरसाइज परफॉर्मेंस बढ़ जाता है, पोस्चर बेहतर होता है और शरीर लचीला और सतर्क रहता है।

किसे स्ट्रेच करना चाहिए

स्ट्रेचिंग सभी के लिए अच्छी है। आपका रूटीन कैसा भी हो। स्ट्रेचिंग के लाभ अनगिनत हैं। क्योंकि स्ट्रेचिंग संतुलित फिटनेस कार्यक्रम का महत्वपूर्ण हिस्सा है। स्ट्रेचिंग के लाभों के बारे में जो निरंतर शोधों से पुष्टि हो रही है, उससे प्रभावित होकर अमेरिकन कॉलेज ऑफ स्पोर्ट्स मेडिसिन ने संपूर्ण स्वास्थ्य लाभ के लिए अपने दिशा निर्देशों में स्ट्रेचिंग को भी शामिल किया है।

एथलीट्स के लिए लाभदायक

लगातार दौड़ने से मांसपेशियों में अकड़ाहट बढ़ जाती है और लचीलापन कम हो जाता है। ऐसे में धावकों के लिए स्ट्रेचिंग न सिर्फ लचीलापन लाती है, बल्कि उनका सामान्य चोटों से भी बचाव करती है जैसे फुटबॉल से जुड़ी कमर की समस्या, कंधे में सूजन, टेनिस एलबो जिनका संबंध अन्य स्पोर्ट्स से है जैसे टेनिस, या घुटने की समस्या जो दौड़ने या स्क्वैश के कारण होती है।

कमर दर्द में कारगर

कमर के निचले हिस्से में दर्द का मुख्य कारण कम लचीलापन और हैमस्ट्रिंग्स होता है। ध्यान रखें कि जो मांसपेशी निरंतर सिकुड़ी हुई रहती हैं, उसे शांत करने के लिए अधिक ऊर्जा की जरूरत होती है। स्ट्रेचिंग से स्पाइन रिलैक्स होती है, जिससे मस्कुलर टेंशन दूर होती है। स्ट्रेचिंग से पोस्चर की अधिकतर समस्याएं मांसपेशियों में टाइटनेस के कारण खराब एलाइनमेंट की वजह से होती है। स्ट्रेचिंग से सॉफ्ट टिश्यु स्ट्रेचिंग रिएलाइन हो जाते हैं और पोस्चर ठीक रहता है। इसलिए स्ट्रेचिंग को फिटनेस रूटीन में जरूर शामिल करें।

कुछ इफेक्टिव स्ट्रेचिंग

आपको कुछ इफेक्टिव स्ट्रेचिंग के बारे में यहां बता रहे हैं।

कॉफ स्ट्रेचिंग: सीधा पैर आगे बढ़ाते हुए बड़ा कदम लें, सीधा पैर मुड़ा हुआ, उल्टा पैर सीधा अपने कूल्हों को आगे की तरफ मुड़े हुए घुटने की ओर बढ़ाएं। दोनों पैरों को आगे की ओर प्वाइंट करें और उल्टी एड़ी को जमीन पर लटकने दें। थोड़ी देर ऐसे ही रूकें और फिर साइड बदल लें। जांघ का अगला हिस्सा- सीधे खड़े हो जाएं। सीधे पैर को सीधे हाथ से पकड़ लें। अपने पैर को कूल्हे की ओर लाएं, घुटनों के साथ रखते हुए। थोड़ी देर रुकें और फिर दूसरे पैर से दोहराएं।

जांघ का पिछला हिस्सा: एक पैर को आहिस्ता से उठाएं और किसी उठी हुई जगह पर रख लें, जैसे पार्क बैंच। अपने कूल्हों को स्क्वेयर रखते हुए, अपने पेट से झुकें और शरीर के ऊपरी हिस्से को आगे की ओर झुकाएं। थोड़ी देर रुकें और फिर दूसरे पैर से यही प्रक्रिया दोहराएं।

वेस्ट स्ट्रेचिंग: पैरों को कंधे की सीध में चौड़ा कर लें, घुटने थोड़े से मुड़े हुए हों और पैर के अंगूठे सीधे प्वॉइंट करते हुए, सीधे हाथ को कूल्हे पर रख लें और उल्टे हाथ को सिर के ऊपर ले जाएं। आहिस्ता से वेस्ट पर बेंड करें साइड में और एक मिनट तक ठहरें। दूसरी साइड से भी ऐसा ही दोहराएं।

ऊपरी कमर की स्ट्रेचिंग: इसके लिए सीधे खड़े होकर आगे की ओर हाथों को ऐसे बांध लें कि कमर के ऊपरी हिस्से में स्ट्रेचिंग महसूस हो। स्ट्रेचिंग के दौरान सिर को नीचा करें ताकि चिन सीने के करीब आ जाए।

नेक स्ट्रेचिंग: अपना सिर दाईं तरफ झुका लें जिससे कान, कंधे के करीब हों फिर बीच में आ जाएं। अब दूसरी साइड से भी ऐसा करें।

कंधों का स्ट्रेच: सीधे हाथ को सीने पर समतल क्रॉस कर लें। बांया हाथ उस पर कोहनी के पास रख लें, सीधे हाथ को सीने की ओर खींचें।

चेस्ट स्ट्रेचिंग: बैठकर अपने दोनों हाथ कमर पर रखें फिर दोनों हाथों को आपस में बांध लें और हाथों को ऊपर उठाएं ताकि पेक्टोरल्स में स्ट्रेच महसूस हो। *

हिमाचल की सगी भाषा पंजाबी

हिमाचल अभी-अभी संगीत समारोहों की उत्कृष्टता में तालियां बजाता और नाचता देखा गया। संगीत के सुरूर में धर्मशाला से शिमला तक और हर समारोह में जितने पंजाबी गीत चले और जनता ने इनका समर्थन किया, उससे प्रदेश के भाषायी संस्कार जुड़ते हैं। ऐसे में क्यों न पंजाबी के लिए हिमाचल के सरोकार पहचाने जाएं। क्यों न यह मान लिया जाए कि किसी एक हिमाचली भाषा से कहीं ज्यादा कुशलता से जनता पंजाबी कलाकारों के माध्यम से भाषायी जिरह और गाने की जुबान से पंजाबी भाषा को सही परिप्रेक्ष्य में देखती है। पंजाबी को द्वितीय व सगी भाषा के रूप में पहचान मिले तो कम से कम भाषायी आधार पर खड़े होने की एक क्षेत्रीय संगत तो मिलेगी। हिमाचल के युवाओं को पंजाबी में तराने अगर पसंद आ रहे हैं, तो यह रुह का मिलन है। हिमाचल की सगी भाषा के रूप में पंजाबी का स्पर्श जाहिर तौर पर हिमाचली भाषा के उत्थान और मानकीकरण में भूमिका निभा सकता है। ऐसे में हिमाचली गायकों को भी यह श्रेय जाता है कि उनके प्रयास से हिमाचली संगीत की चारों दिशाएं अब मिल रही हैं। नाटियों का समुद्र कुल्लू, शिमला और सिरमौर से नीचे उतर कर कांगड़ा, मंडी, बिलासपुर, हमीरपुर, ऊना और चंबा तक पहुंच गया, तो गद्दियाली बोली के सरगम पर एक नई और प्रमाणित नाटी का विस्तार हुआ। कुलदीप शर्मा जैसे गायकों ने कांगड़ा-चंबा के गीतों में अपनी स्वीकार्यता बढ़ा दी। यह चमत्कार पंजाबी गायकों ने भी किया है और जिनकी स्वीकार्यता में शिमला का रिज या धर्मशाला का पुलिस मैदान नजदीक से पंजाबी भाषा के टापू बन जाते हैं। हिमाचल का एक बड़ा भाग जिस शब्दावली का प्रयोग करता है, वह पंजाब-जम्मू ही नहीं, पाकिस्तान तक की बोलियों में शरीक है।

पाकिस्तान की सरायकी भाषा, हमारी तरह इंडो-आर्यन भाषा परिवार से ही निकली है। पंजाबी भाषा के निर्माण और पहचान में हिमाचल भाषा परिवार की आठ बोलियां समाहित होती हैं, जबकि कांगड़ी, कहलूरी, मंडयाली, चंबयाली, हमीरपुरी, उन्नवी व नालागढ़ की हंडूरी जैसी बोलियों का तो पंजाबी से चोली-दामन का साथ है। इसके अलावा क्षेत्रीय रोजगार के अवसरों, फिल्मों तथा नाटकों के कारण पंजाबी भाषा की सहज शब्दावली ने खुद को दिल्ली से जम्मू तक बांट लिया है। हिमाचल के किसी भी भाग से निकलती वीडियो में युवाओं का कान्टेंट, अपनी पृष्ठभूमि में पंजाबी गीत-संगीत के इस्तेमाल को अपरिहार्य बना देता है। विडंबना यह है कि हिमाचल के लेखकों एवं साहित्यकारों ने न तो हिमाचली भाषा के उदय की राहें खोजीं और न ही क्षेत्रीय भाषाओं से हिमाचली शब्दावली का गठजोड़ किया। ऐसे में अगर पंजाबी भाषा बनाते समय आठ हिमाचली बोलियां काम आती हैं, तो हम भी हिमाचली भाषा की संपूर्णता को पंजाबी भाषा के सेतु पर ला सकते हैं। भाषा कोई सीमा नहीं, संगीत कड़वा नहीं और न ही दीवारों के भीतर इनका संरक्षण हो सकता है। अगर हिमाचल की बोलियों का साहित्य आपस में साझी विरासत कायम कर लेता या जरूरत के इस्तेमाल में कुछ उत्तराखंड, कुछ जम्मू, कुछ पंजाब और कुछ हरियाणा की बोलियों-भाषाओं से जोड़ पाता, तो हिमाचली भाषा में कहा, लिखा व गाया कितनी दूर तक पहुंच जाता। आज भी पाकिस्तान के नाटकों को देखने पर महसूस होता है कि भाषायी अर्थ मिटाए नहीं जा सकते और संगीत की यात्रा दिलों के हिसाब से मीलों लंबी हो जाती है। हिमाचल की विकास यात्रा में अगर पंजाबी गायक कबूल हैं, तो हिमाचली भाषा के ढांचे में कुछ पंजाबी भाषा कबूल हो जाए तो ये दोनों सगी बहनों की तरह निखर सकती हैं।

भारत को घुडकी न दें

अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ने अब भारत को भी घुडकाना शुरू कर दिया है। बेशक वह भारत में वेनेजुएला प्रयोग को दोहराने का दुस्साहस नहीं कर सकते, क्योंकि वह भारत की चौतरफा ताकत को अच्छी तरह जानते हैं। भारत की ईमानदारी और प्रतिबद्धताओं को भी समझते हैं। भारत एक प्रमाणित परमाणु शक्ति सम्पन्न राष्ट्र है, अमरीका से अधिक यह कौन जानता है, क्योंकि अमरीका ने भारत के साथ असैन्य परमाणु करार कर रखा है। बहरहाल राष्ट्रपति ट्रंप का नया बयान आया है-ह्यदरअसल प्रधानमंत्री मोदी बहुत अच्छे इनसान हैं। वे जानते हैं कि मैं इससे (रूस से तेल खरीद) खुश नहीं हूं और मुझे खुश रखना जरूरी है। यदि रूस से तेल खरीद जारी रही, तो भारत पर बहुत जल्दी और टैरिफ लग सकते हैं। वह भारत के लिए ठीक नहीं होगा। गौरतलब यह है कि भारत अप्रैल, 2025 में रूस से 8.6 मिलियन टन कच्चा तेल खरीदता था, जो नवंबर तक घट कर 7.7 मिलियन टन हो गया। भारत अमरीका से भी करीब 3 मिलियन टन तेल खरीदता है। अमरीका की तुलना में रूस से तेल खरीद आज भी अधिक है। भारत ने किसी दबाव में तेल खरीद को कम नहीं किया, यह उसकी जरूरतों के मुताबिक है। तेल भंडारों और क्षमताओं को लेकर अमरीका का स्थान बहुत नीचे है। वेनेजुएला में सबसे अधिक प्रमाणित 303 अरब बैरल तेल के भंडार हैं और वह आज भी सबसे बड़ा सप्लायर है। उसके बाद सऊदी अरब और ईरान सबसे अधिक तेल बेचते हैं। राष्ट्रपति ट्रंप की पूरी रणनीति तेल कारोबार पर वर्चस्व स्थापित करने की है, जिसका विरोध अमरीका में ही किया जा रहा है। पूर्व उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने वेनेजुएला हमले और वहां के राष्ट्रपति को अगवा करके अमरीका लाने के ऑपरेशन को लेकर ट्रंप के खिलाफ आक्रामक बयान दिए हैं।

प्रेमनगर में सड़क किनारे किये गए अतिक्रमण पर की गई कार्रवाई

हटाये गए ठेला गुमटी वाले

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के प्रेमनगर नगर पंचायत में सड़कों पर यातायात बाधित करने वाले अवैध ठेला-गुमटी एवं दुकानों को व्यवस्थित करने हेतु शुक्रवार को कार्रवाई की गई। इस दौरान साप्ताहिक बाजार एवं सड़क किनारे अवैध रूप से अतिक्रमण कर व्यवसाय करने वाले सब्जी, मछली एवं मुर्गा विक्रेताओं सहित ठेला-गुमटी लगाकर मुख्य सड़क को बाधित करने वाले दुकानदारों को समझाइश दी गई।

कार्रवाई के दौरान सड़क किनारे अतिक्रमण कर व्यापार कर रहे दुकानदारों को निर्धारित स्थान पर स्थानांतरित कराया गया, ताकि आम नागरिकों को आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो और यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहे। अधिकारियों द्वारा व्यापारियों से अपील की गई कि वे केवल निर्धारित स्थलों पर ही व्यवसाय करें और भविष्य में सड़क पर अतिक्रमण न करें।

इस कार्रवाई में नगर पंचायत के मुख्य नगरपालिका अधिकारी एवं कर्मचारी, थाना प्रभारी एवं स्टाफ, जनप्रतिनिधिगण सक्रिय रहे।

जिले के सावारावा उपार्जन केंद्र की जांच में गायब मिला 6470 बोरी धान

संयुक्त जांच में उजागर हुआ गड़बड़झाला, जिम्मेदारों पर होगी कार्रवाई

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के भैयाथान विकासखंड अंतर्गत ग्राम सावारावा स्थित धान उपार्जन केंद्र में धान खरीदी व्यवस्था से जुड़ी एक बड़ी और गंभीर अनियमितता सामने आई है। प्रशासनिक जांच के दौरान केंद्र से 6470 बोरी धान की कमी पाई गई है, जिसने पूरे जिले की उपार्जन व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस खुलासे के बाद प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया है। कलेक्टर के निर्देश तथा एसडीएम चांदनी कंवर के मार्गदर्शन में राजस्व विभाग एवं सहकारिता विभाग की संयुक्त जांच टीम द्वारा सावारावा धान खरीदी केंद्र में उपलब्ध धान स्टॉक की गहन जांच की गई। जांच के दौरान मौके पर रखे धान का भौतिक सत्यापन किया गया और उसे संबंधित अभिलेखों से मिलाया गया। इस प्रक्रिया में कागजी रिकॉर्ड और वास्तविक स्टॉक के बीच भारी अंतर सामने आया। जांच में यह स्पष्ट हुआ कि केंद्र में जितनी मात्रा में धान दर्ज है, उतनी मात्रा मौके पर उपलब्ध नहीं है। 6470 बोरी धान की कमी ने यह संकेत दिया है कि या तो धान के भंडारण में गंभीर लापरवाही हुई है या फिर धान खरीदी और परिवहन प्रक्रिया में नियमों की अनदेखी करते हुए गड़बड़ी की गई है। प्रारंभिक जांच में धान भंडारण, रख-रखाव और खरीदी प्रक्रिया में तय मानकों का पालन नहीं किए जाने की बात सामने आई है।
संयुक्त जांच टीम ने मौके पर मौजूद कर्मचारियों से पूछताछ की, स्टॉक रजिस्टर, परिवहन से जुड़े दस्तावेज और अन्य महत्वपूर्ण अभिलेखों की बारीकी से जांच की। जांच के

आधार पर एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जा रही है, जिसे उच्च अधिकारियों को सौंपा जाएगा। सूत्रों के अनुसार, रिपोर्ट के निष्कर्षों के आधार पर जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध धान की वसूली, विभागीय कार्रवाई तथा कानूनी कार्यवाही की जा सकती है।
धान खरीदी किसानों से सीधे जुड़ा हुआ एक अत्यंत संवेदनशील कार्य है। ऐसे में इस तरह की अनियमितता सामने आने से न केवल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठे हैं, बल्कि किसानों के हितों को भी नुकसान पहुंचने की आशंका जताई जा रही है। प्रशासन का मानना है कि यदि समय रहते इस मामले पर सख्त कार्रवाई नहीं की गई, तो भविष्य में ऐसी गड़बड़ियां और बढ़ सकती हैं।

इस प्रकरण के उजागर होने के बाद जिला प्रशासन ने संकेत दिए हैं कि जिले के अन्य धान उपार्जन केंद्रों में भी सघन जांच अभियान चलाया जाएगा। इसका उद्देश्य धान खरीदी व्यवस्था में पारदर्शिता लाना, अनियमितताओं पर रोक लगाना और किसानों के हक की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।।जांच के दौरान तहसीलदार भैयाथान, सहकारी बैंक शाखा प्रबंधक ओड़गी, राजस्व निरीक्षक, हल्का पटवारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी मौके पर मौजूद रहे। प्रशासन ने साफ संकेत दिए हैं कि धान खरीदी में किसी भी स्तर पर लापरवाही, गड़बड़ी या भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे।

जिले की कई समितियों में है गड़बड़ झाला

जिले में और भी कई समितियां है जहाँ इस तरह का गड़बड़ झाला आम बात है। जिला मुख्यालय से चंद किमी की दूरी पर स्थित खरीदी केंद्रों में भी यहीं आलम है जहाँ चंद रुपयों के लालच में व्यवसायियों से सांठगांठ कर समिति प्रबंधक इस तरह के कृत्य कर रहे है।

खबर का असर : राष्ट्रीय उद्यान के अधिकारियों ने मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेष जांच टीम का किया गठन

गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान के डिप्टी रेंजर वनपाल करेंगे जांच

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिहारपुर। सूरजपुर जिले बैजनपाठ के जंगल के बरपानी और लमखी खाड़ी जंगल में महुआ व साल के पेड़ों की अवैध कटाई और लकड़ी तस्करी को लेकर छत्तीसगढ़ फ्रंट लाइन समाचार पत्र में प्रकाशित खबर का बड़ा असर सामने आया है।

चांदनी बिहारपुर क्षेत्र में जंगल की बेख़ौफ़ कटाई

0 टाइगर रिजर्व की तैयारी के बीच माफिया हावी

0 धृतराष्ट्र की भूमिका में जिम्मेदार

इस गंभीर मामले पर प्रमुखता से खबर प्रकाशित किए जाने के बाद गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान प्रबंधन ने तत्काल संज्ञान लिया है। जानकारी के अनुसार, राष्ट्रीय उद्यान के वरिष्ठ अधिकारियों ने पूरे प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए एक विशेष जांच टीम का गठन किया है। टीम को बैजनपाठ परिक्षेत्र अंतर्गत बरपानी, लमखी खाड़ी और आसपास के सीमावर्ती जंगल क्षेत्रों में पहुंचकर अवैध कटाई, लकड़ी परिवहन और संभावित तस्करी नेटवर्क की गहन जांच करने के निर्देश दिए गए हैं।

सूत्र बताते हैं कि जांच के दौरान यह भी देखा जाएगा कि संबंधित वन कर्मचारी, बीट गार्ड और अन्य जिम्मेदार अधिकारी अपने कर्तव्यों के निर्वहन में लापरवाह तो नहीं रहे। यदि किसी भी स्तर पर मिलीभगत या लापरवाही सामने आती है, तो संबंधितों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के साथ-साथ कानूनी कदम भी उठाए जाएंगे।

भाजपा किसान मोर्चा के कपिल बने जिलाध्यक्ष, लवकेश को मिली महामंत्री की जिम्मेदारी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। रामानुजनगर के भाजपा नेता कपिलदेव पांडेय को किसान मोर्चा का जिलाध्यक्ष एंव लवकेश पैकरा को महामंत्री नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष आलोक सिंह ठाकुर ने भाजपा जिलाध्यक्षा मुरली मनोहर सोनी की सहमति पर करते हुए संघठन को मजबूत करने की दिशा में काम करने को कहा है।श्री पांडेय, पिछले कार्यकाल में किसान मोर्चा के जिला महामंत्री रहे।संघठन में लंबे समय तक मंडल से लेकर जिला युवा मोर्चा में सक्रिय रहे।श्री पांडेय ने अपनी इस नियुक्ति पर कहा कि जिले में किसानो के हित में सक्रियता से कार्य करते हुए संघठन को मजबूत करने की दिशा में प्रयास करेंगे।श्री पांडेय के इस नियुक्ति पर उनके समर्थकों में हर्ष व्याप्त है।

उचित मूल्य राशन दुकान में मनाया गया चावल उत्सव

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

दतिमा मोड़। भैयाथान विकासखंड के ग्राम पंचायत राई उचित मूल्य दुकान में छत्तीसगढ़ रजत जयंती चावल उत्सव का आयोजन उत्साह पूर्वक मनाया गया। इस दौरान शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के तहत पात्र उपभोक्ताओं को चावल समेत अन्य खाद्य सामग्री का वितरण किया गया। वितरण व्यवस्था सुव्यवस्थित और पारदर्शी रहे जिससे हितग्राहियो को किसी भी तरह की असुविधा का सामना नहीं करना पड़े चावल उत्सव खाद्य सुरक्षा और सामाजिक न्याय की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल

है इसका उद्देश्य जरूरतमंद और पात्र परिवारों को समय पर गुणवत्ता पूर्ण खाद्यान्न उपलब्ध कराना है। इस चावल उत्सव आयोजन में ग्राम पंचायत राई सरपंच बुधियारो पैकरा, सुकिल राम, सचिव देवनारायण राजवाड़े, दीपक जायसवाल, जियाउल हक खान, अनूप जायसवाल, गिरवर सिंह राजेन्द्र देवांगन, सोहन यादव आदि उपस्थित रहे।

जिला प्रशासन की संयुक्त टीम ने बालिका को बधू बनने से बचाया

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले में बाल विवाह रोकने के लिए सक्रिय जिला प्रशासन की संयुक्त टीम ने नाबालिग छात्रा का विवाह रुकवाया है। कलेक्टर एस. जयवर्धन के निर्देश एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी शुभम बंसल के मार्गदर्शन में जिले को बाल विवाह मुक्त बनाने हेतु जिला बाल संरक्षण इकाई, पुलिस एवं चाइल्डलाइन की संयुक्त टीम द्वारा सतत निगरानी और कार्रवाई की जा रही है।इसी क्रम में जिला बाल संरक्षण अधिकारी मनोज जायसवाल को सूचना प्राप्त हुई कि कक्षा 12वीं में अध्ययनरत एक नाबालिग बालिका का विवाह उसके परिजनों द्वारा किए जाने की तैयारी चल रही है। सूचना मिलते ही जिला कार्यक्रम अधिकारी के निर्देश पर श्री जायसवाल के नेतृत्व में संयुक्त टीम संबंधित गांव पहुँची। प्रारंभिक पूछताछ में परिजनों द्वारा विवाह की जानकारी छिपाई गई, किंतु बालिका का पृथक कथन लेने पर यह सामने आया कि उसके विवाह को लेकर बातचीत हो चुकी है और लड़का भी तय कर लिया गया है। हालांकि तिथि निर्धारित नहीं हुई थी, लेकिन मुहूर्त आने पर विवाह कराने की योजना थी। जांच में यह भी पता चला कि बालिका कक्षा 12वीं की छात्रा है और वह पिछले चार माह से स्कूल नहीं जा रही है, साथ ही उसने मुख्य परीक्षा का फार्म भी नहीं भरा है, जिससे वह इस वर्ष की परीक्षा से वंचित हो गई है। जिला बाल संरक्षण अधिकारी द्वारा बालिका के माता-पिता एवं परिजनों को समझाइश दी गई कि बालिका की शिक्षा प्राथमिकता है और 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने से पहले विवाह करना कानूनन अपराध है। परिजनों ने स्वीकार किया कि बालिका के स्कूल जाना बंद करने के कारण ही विवाह का निर्णय लिया गया था, लेकिन अब वे 18 वर्ष पूर्ण होने के बाद ही विवाह कराने पर सहमत हुए। इस संबंध में पंचनामा तैयार किया गया तथा उपस्थित सभी लोगों को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के प्रावधानों और बाल विवाह से होने वाले दुष्परिणामों की जानकारी दी गई। कार्रवाई में जिला बाल संरक्षण अधिकारी मनोज जायसवाल, अंजली साहू, पर्यवेक्षक दीपा बैरागी, चाइल्डलाइन से प्रकाश राजवाड़े, दिनेश यादव, आरती राजवाड़े, रीता सिंह, बसदेई चौकी के आरक्षक अशोक सिंह एवं अलका टोप्पो के साथ आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका शामिल रहे।

जिले के पंचायतों में अटल डिजिटल सेवा केन्द्रों के संचालन हेतु आयोजित हुआ एमओयू कार्यक्रम

सेवा केन्द्रों के संचालन एवं जिम्मेदारियों को लेकर दिए गए दिशा-निर्देश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले की पंचायतों में अटल डिजिटल सुविधा केन्द्र के सफल संचालन हेतु राज्य कार्यालय से प्राप्त निर्देशानुसार एवं जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी विजेंद्र सिंह पाटले के मार्गदर्शन में शुक्रवार को पांचवे चरण में सम्मिलित ग्राम पंचायतों का डवन् कार्यक्रम आयोजित किया गया।

यह कार्यक्रम ग्राम पंचायत भवनों में डिजिटल माध्यम से सम्पन्न हुआ। एमओयू कार्यक्रम के अंतर्गत अटल डिजिटल सेवा केन्द्रों के संचालन, सेवाओं एवं जिम्मेदारियों को लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए। निर्देशानुसार अटल डिजिटल सेवा केन्द्र का संचालन प्रत्येक कार्य दिवस में नियमित समय पर ग्राम पंचायत भवन अथवा पंचायत द्वारा निर्धारित स्थान पर किया जाएगा। केन्द्र पर स्वच्छता, सुव्यवस्था तथा नागरिकों के बैठने की समुचित व्यवस्था अनिवार्य होगी।अटल डिजिटल सेवा केन्द्र के माध्यम से ग्रामीण नागरिकों को आधार, पैन, आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र, जन्म-मृत्यु पंजीयन, पेंशन, छात्रवृत्ति, सामाजिक

सुरक्षा योजनाएँ, बिजली पानी मोबाइल बिल भुगतान, बैंकिंग, डीबीटी, बीमा सेवाएँ सहित सीएससी के माध्यम से उपलब्ध सभी शासकीय एवं गैर शासकीय सेवाएँ प्रदान की जाएँगी। सेवाओं के लिए शुल्क राज्य शासन अथवा द्वारा निर्धारित दरों के अनुसार ही लिया जाएगा। केन्द्र पर सेवा शुल्क की सूची प्रदर्शित करना तथा प्रत्येक नागरिक को रसीद देना अनिवार्य होगा। केन्द्र संचालक का सीएससी आईडी सक्रिय होना आवश्यक रहेगा और सभी सेवाएँ ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से पूर्ण पारदर्शिता के साथ की जाएँगी। नागरिकों के दस्तावेजों एवं डेटा की गोपनीयता बनाए रखना भी संचालक की प्रमुख जिम्मेदारी होगी। केन्द्र के संचालन हेतु कंप्यूटर या लैपटॉप, प्रिंटर, स्कैनर, हाई-स्पीड इंटरनेट, बिजली एवं पावर बैकअप जैसी आधारभूत सुविधाएँ अनिवार्य होंगी। केन्द्र पर सूचना बोर्ड के माध्यम से केन्द्र का नाम, संचालक का नाम एवं मोबाइल नंबर, उपलब्ध सेवाओं की सूची, सेवा शुल्क एवं शिकायत हेल्पलाइन नंबर प्रदर्शित करना होगा। जिला एवं जनपद पंचायत तथा सीएससी द्वारा समय-समय पर केन्द्रों का निरीक्षण किया जाएगा। अनियमितता पाए जाने पर केन्द्र के विरुद्ध निलंबन अथवा अन्य कार्रवाई की जाएगी।इस पहल का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण नागरिकों को एक ही स्थान पर डिजिटल एवं शासकीय सेवाएँ उपलब्ध कराना तथा डिजिटल इंडिया एवं ई-गवर्नेंस को ग्राम स्तर पर सशक्त बनाना है।

राज्यपाल ने गोद ग्रामों में आजीविका कार्यों को गति देने के दिए निर्देश

रायपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। राज्यपाल रमेन डेका द्वारा गोद लिए गए ग्रामों में आजीविका, कौशल विकास और सामाजिक सुरक्षा से जुड़े कार्यो को प्राथमिकता के साथ करने के निर्देश दिए गए है।राज्यपाल डेका ने आज समाज कल्याण विभाग, राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन एवं हथकरघा विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर गोद ग्रामों में योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की।उल्लेखनीय है कि राज्यपाल द्वारा खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के ग्राम सोनपुरी, बेमेतरा जिले के ग्राम टेमरी तथा गरियाबंद जिले के ग्राम बिजली को गोद लिया गया है। इन ग्रामों में शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने तथा समावेशी विकास को बढ़ावा देने की पहल की है।राज्यपाल डेका ने लाइवलीहुड मिशन के अंतर्गत कौशल विकास पर जोर देते हुए कहा कि गोद ग्रामों मे विस्तृत सर्वेक्षण कर स्थानीय आवश्यकता के अनुसार प्रशिक्षण दिया जाए। दिव्यांगजनों को आवश्यक सहायक उपकरण, पात्र हितग्राहियों को पेंशन तथा अन्य सामाजिक सुरक्षाओं का लाभ सुनिश्चित किया जाए। महिलाओं को स्व-सहायता समूहों से जोड़ने और आजीविका गतिविधियों में उनकी सहभागिता बढ़ाने के निर्देश दिए। राज्यपाल ने स्पष्ट कहा कि कौशल विकास के लिए गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होना चाहिए। उन्होंने गोद ग्रामों का भ्रमण कर जमीनी स्तर पर आवश्यकतानुसार कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।बैठक में समाज कल्याण विभाग की संचालक रोक्तिमा यादव, छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के संचालक श्री अश्वनी देवांगन एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

उद्यानिकी प्रशिक्षण ने महिलाओं को दिया रोजगार, माला विक्रय से महिलाओ के आय में हुई वृद्धि

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले में उद्यानिकी क्षेत्र को सशक्त बनाने तथा महिलाओं, किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से जिला खनिज न्यास निधि के प्रभावी उपयोग से विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में शासकीय उद्यान रोपणी दतिमा में 30 महिलाओं को माली प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।
प्रशिक्षण प्राप्त कर रही महिलाओं द्वारा तैयार की गई गेंदा फूल की मालाओं के विक्रय से अब तक लगभग 10 हजार रुपये की नकद आय अर्जित की जा चुकी है। यह प्रशिक्षण महिलाओं के लिए न केवल रोजगार का नया अवसर सृजित कर रहा है, बल्कि उन्हें उद्यानिकी कार्यों में दक्ष भी बना रहा है। उल्लेखनीय है कि जिले में ग्राफ्टेड टमाटर, बैंगन एवं अन्य उद्यानिकी फसलों के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए विशेष

प्रशिक्षण अभियान का शुभारंभ किया गया है। इस पहल के तहत किसानों को आधुनिक तकनीकों से जोड़ते हुए ग्राफ्टेड सब्जी उत्पादन का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे बढ़ती सब्जी मांग को पूरा करने में किसानों को नई मजबूती मिलेगी। कलेक्टर एस. जयवर्धन के निर्देश पर डीएमएफ निधि से उद्यानिकी विभाग को माली प्रशिक्षण हेतु राशि उपलब्ध कराई गई है। इसके अंतर्गत जिले की दो प्रमुख उद्यान रोपणियों दतिमा सूरजपुर एवं शासकीय उद्यान खोरमा प्रतापपुर।में 30-30, हितग्राहियों को नि:शुल्क माली प्रशिक्षण दिया जा रहा है।
प्रशिक्षण के दौरान लाभार्थियों को कटिंग, बडिंग, ग्राफ्टिंग द्वारा पौधा तैयार करने, फूल माला निर्माण सहित उद्यानिकी की आधुनिक तकनीकों का व्यावहारिक ज्ञान दिया जा रहा है। प्रशिक्षण पूर्ण होने के पश्चात हितग्राहियों को उद्यानिकी टूल-किट भी प्रदान की जाएगी, जिससे वे तुरंत स्वरोजगार की शुरुआत कर सकें।

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन
हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरुद्वारा के पास बाबूपारा
अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088

सरगुजा फ्रंटलाइन

विकसित भारत-जी राम जी योजना से मिलेगी नई दिशा-चिंतामणि महाराज

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में प्रेस वार्ता करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए गरीब, किसान और मजदूरों का कल्याण सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री बनने के बाद सेन्ट्रल हॉल में दिए गए अपने पहले भाषण में ही प्रधानमंत्री ने गरीब और किसानों के उत्थान का संकल्प स्पष्ट कर दिया था। जो केवल भाषण नहीं बल्कि समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के प्रति उनकी गहरी प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

चिंतामणि महाराज ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा लिए गए फैसलों में यह सोच स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। ग्रामीण रोजगार और आजीविका को सशक्त बनाने के उद्देश्य से 'विकसित भारत जी राम जी' विकसित कानून लाया गया है, जो मनरेगा का उन्नत और प्रभावी स्वरूप है। उन्होंने बताया कि यह योजना ग्रामीण विकास को नई गति देने के साथ-साथ भ्रष्टाचार पर प्रभावी रोक लगाएगी। मनरेगा में देखने को मिलता है कि नकली जॉब कार्ड, फर्जी मस्टर रोल और मजदूरी में अनियमित भुगतान जैसी समस्याओं को दूर करने के लिए इस योजना में कई प्रावधान किए गए हैं। प्रेस वार्ता में भाजपा जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश जायसवाल, भाजपा प्रदेश महामंत्री शिवनाथ यादव, जिला महामंत्री भानु प्रकाश दीक्षित, जिला पंचायत अध्यक्ष हीरामणि निकुंज, मुकेश गुप्ता, अजय गुप्ता, अजय यादव जिला मीडिया सह प्रभारी एवं भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

100 दिन से बढ़ाकर 125 दिन

प्रति परिवार रोजगार की गारंटी 100 दिन से बढ़ाकर 125 दिन कर दी गई है, जिससे गरीब और मेहनतकश परिवारों को अधिक आय सुरक्षा मिलेगी। खेती-किसानी में श्रमिकों की कमी को दूर करने के लिए बुआई और कटाई के सीजन में राज्य सरकार को वर्ष में 60 दिन का 'नो वर्क घोषित करने का अधिकार दिया गया है, ताकि मजदूर खेती के कार्यों में सहयोग कर सकें और किसानों को राहत मिलेगा

शहरों की और पलायन रुकेगा

योजना से ग्रामीण क्षेत्रों से शहरों की ओर होने वाला पलायन रुकेगा और गांवों में ही रोजगार के बेहतर अवसर मिलेगा। मजदूरी का भुगतान काम की तिथि से सात दिनों के भीतर अनिवार्य रूप से किया जाएगा, विलंब होने पर अतिरिक्त भुगतान का भी प्रावधान है। योजना के तहत जल संरक्षण, ग्रामीण अधोसंरचना, आजीविका से जुड़े कार्य, जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने वाले कार्यों पर विशेष फोकस रहेगा। कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन, कौशल विकास, भंडारण और बाजार से जुड़े कार्यों को बढ़ावा दिया जाएगा।

पुलिस ने 6 गिरफ्तारी वारंटियों को न्यायालय में किया पेश

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा राजेश कुमार अग्रवाल द्वारा थाना चौकी प्रभारियों को लम्बित गिरफ्तारी वारंट एवं स्थाई वारंट की तामिली हेतु निर्देशित किया गया है। निर्देशों के परिपालन में थाना उदयपुर पुलिस टीम द्वारा 6 गिरफ़्तारी वारंट तामिल किया गया। न्यायालय द्वारा रामजीत राजवाड़े निवासी ग्राम सिरगिट्टी उदयपुर, अमित कुमार निवासी ग्राम खोडरी, कार्तिक ठाकुर निवासी ग्राम झिरमिट्टी, रुस्तम उर्फ राजा रजवाड़े निवासी ग्राम झिरमिट्टी, करीमन यादव निवासी ग्राम सरगवां बेलपतरा, धन साय ठाकुर निवासी ग्राम झिरमिटी का गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था। जारी गिरफ्तारी वारंट के आधार पर पुलिस टीम ने इन्हें पकड़कर न्यायालय के समक्ष पेश किया है। वारंट तामिली की कार्रवाई में थाना प्रभारी उदयपुर निरीक्षक शिशिरकांत सिह, प्रधान आरक्षक संजय नागेश, आरक्षक अजय शर्मा, सूरजबली, देवेन्द्र सिंह, कृष्ण कुमार, सैनिक नंदलाल सिंह सक्रिय रहे।

गुरु घासीदास वार्ड में 4.50 लाख की लागत से बनने वाले नाली का भूमिपूजन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। निगम क्षेत्र के गुरु घासीदास वार्ड में शुक्रवार को लाखों की लागत से बनने वाले नाली का भूमिपूजन अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य आदित्येश्वर शरण सिंहदेव एवं निगम में नेता प्रतिपक्ष शफी अहमद के द्वारा किया गया। गुरु घासीदास वार्ड के सहेली गली में रहने वाले नागरिक नाली के अभाव और गंदे पानी के जमाव से परेशान थे। वार्ड के नवनिर्वाचित युवा पार्षद शुभम जायसवाल के प्रयासों से यहां लगभग साढ़े चार लाख रुपये की लागत से नाली निर्माण का कार्य स्वीकृत हुआ है, जिससे स्थानीय लोगों में हर्ष व्याप्त है। भूमिपूजन कार्यक्रम में पूर्व पार्षद गीता श्रीवास्तव, उमा राजवाड़े, श्रीकांत सिन्हा, बबलु सिन्हा, अमित सिन्हा, कृष्ण मुरारी शर्मा, रितेश यादव, मुकेश गुप्ता, अतुल ताम्रकार, विनय, सूरज राजवाड़े, प्रिंसी इमाल्या, अंकुश साहू, आर्यमन ताम्रकार सहित बड़ी संख्या में वार्डवासी मौजूद थे।

जहरीले पदार्थ का सेवन करने के चार मामलों में 4 की मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जहर सेवन के चार मामलों में चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने मृतकों के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है। जानकारी के मुताबिक कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम हसुली की कलावती कंवर 48 वर्ष शराब का सेवन करने की आदी थी, और शराब के नशे में आए दिन अपने पति के साथ मारपीट करती थी। मृतिका 8 जनवरी को शराब पीने के बाद पति शोभन से गालीगलौज करने लगी, जब वह गाली देने से मना किया तो मारपीट पर उतारू हो गई। पत्नि की हरकत से क्षुब्ध होकर शोभन पड़ोसी के घर में चले गया था। इसके बाद वह गाली देना नहीं छोड़ी और घर में रखे खाद को घोलकर पीने के बाद चिल्लाने लगी। पत्नि के चिल्लाने की आवाज सुनकर पति, पड़ोस के लोगों के साथ घर में पहुंचा तो वह यूरिया घोलकर पी चुकी थी। स्वजन उसे निजी वाहन से मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर पहुंचे, यहां अपरान्ह 3.45 बजे जांच के बाद चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।

दूसरी घटना में जशपुर जिला के ग्राम सालीकेरा निवासी रखनी बाई पति चीनू राम 61 वर्ष, 6 जनवरी को कीटनाशक का सेवन कर ली, इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के समय मृतिका के स्वजन खेत में काम करने के लिए गए थे। दोपहर करीब एक बजे बहू रेखा बाई घर पहुंची तो उसकी सास उल्टी कर रही थी, कीटनाशक का गंध आ रहा था। इसकी जानकारी फोन करके वह परिवार के सदस्यों को दी। जशपुर अस्पताल से रेफर करने पर स्वजन उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां शुक्रवार की सुबह उसकी मौत हो गई। दो अन्य घटनाओं में प्रतापपुर थाना क्षेत्र के ग्राम सरहरी की सरिता दास पति निर्मल दास 26 वर्ष ने अपने मायके ग्राम कोसगा लखनपुर में जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। अस्पताल लेकर आते वक्त वह दम तोड़ दी। पुलिस के मुताबिक मृतिका को उसका पति एक साल पहले छोड़ दिया था, और दूसरी पत्नि के साथ रहता था। इसके बाद सरिता दास अपने बच्चों के साथ मायके में ही रहती थी। गुरूवार को सुबह 9 बजे वह अज्ञात कारणों ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर ली थी। इसकी जानकारी मिलने पर स्वजन उसे लखनपुर स्वास्थ्य केन्द्र ले गए, यहां से प्राथमिक चिकित्सा के बाद रेफर करने पर स्वजन उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां आपातकालीन चिकित्सा परिसर में जांच के बाद चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं सूरजपुर जिला के ग्राम रामगढ़ की लालमन पिता स्व. रामलखन 45 वर्ष अज्ञात कारणों से जहरीले पदार्थ का सेवन कर ली। क्षेत्रीय अस्पताल से रेफर करने पर स्वजन उसे 5 जनवरी को मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर में भर्ती कराए थे, यहां उपचार के दौरान गुरूवार की शाम को उसकी मौत हो गई। पुलिस ने सभी मामले में मर्ग कायम कर लिया है।

चिकित्सा विशेषज्ञों के 8 पदों पर संविदा नियुक्ति हेतु वॉक-इन-इंटरव्यू

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जिला स्वास्थ्य समिति, सरगुजा अंतर्गत संचालित जिला चिकित्सालय, मातृ एवं शिशु अस्पताल, सिविल अस्पताल एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण तथा फंक्शनल रोटेटिंग यूनिट के सुचारू संचालन हेतु जिला खनिज न्यास मद से चिकित्सा विशेषज्ञों के कुल 8 पदों पर संविदा नियुक्ति की जा रही है। इन पदों में स्त्रीरोग विशेषज्ञ के 4 पद, शिशु रोग विशेषज्ञ के 2 पद तथा निश्चेतना विशेषज्ञ के 2 पद शामिल हैं। उक्त पदों की पूर्ति हेतु प्रत्येक सोमवार को प्रातः 11 बजे से सायं 5 बजे तक वॉक-इन-इंटरव्यू आयोजित किए जाएंगे। इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी कार्यालय, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सरगुजा के कार्यालय में उपस्थित होकर साक्षात्कार में भाग ले सकते हैं। सोमवार को शासकीय अथवा स्थानीय अवकाश होने की स्थिति में आवेदन मंगलवार को लिए जाएंगे। चिकित्सा विशेषज्ञों के पदों पर संविदा नियुक्ति वांछित शैक्षणिक योग्यता एवं कार्य अनुभव के आधार पर की जाएगी। चयनित अभ्यर्थियों को निगोशियेबल सैलरी प्रदान की जाएगी। इस संबंध में आवेदन राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र, जिला सरगुजा के पोर्टल के माध्यम से विज्ञापित किए गए हैं। कलेक्टर अजीत वसंत द्वारा जिले की स्वास्थ्य आवश्यकताओं को दृष्टिगत रखते हुए अत्यंत आवश्यक एवं सेवा से सीधे जुड़े पदों की प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ति के निर्देश दिए गए हैं, जिससे जिले में स्वास्थ्य सेवाओं हेतु मानव संसाधन की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके। विशेषकर मातृ-शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता एवं पहुंच में उल्लेखनीय सुधार हो। सभी इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थियों से निर्धारित दिवस एवं समय पर उपस्थित होकर इस अवसर का लाभ उठाने का आग्रह किया गया है।

पुलिस अधीक्षक वैभव बैंकर की उपस्थिति में जनरल परेड संपन्न

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। रक्षित केंद्र में पुलिस अधीक्षक वैभव बैंकर की उपस्थिति में जनरल परेड का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों में बेहतर अनुशासन, शारीरिक फिटनेस को प्रोत्साहित करना रहा।

जनरल परेड में कुल 143 अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए। परेड के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा उपस्थित सभी अधिकारी-कर्मचारियों के अनुशासन, फिटनेस एवं वेशभूषा का निरीक्षण किया गया।

पुलिस अधीक्षक ने बेहतर अनुशासन बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। परेड में जिन पुलिस कर्मचारियों का वेशभूषा उत्तम स्तर का पाया गया, उन्हें उत्साहवर्धन स्वरूप उचित पुरस्कार भी प्रदान किए गए। जनरल परेड के उपरांत पुलिस अधीक्षक द्वारा आरमोरी शाखा का भौतिक सत्यापन तथा एमटी शाखा का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया।

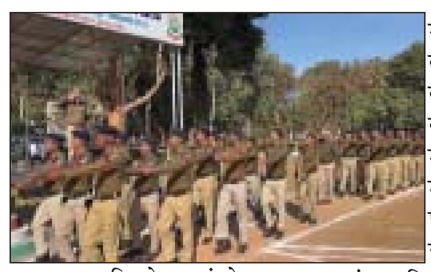

लवकेश पैकरा बने किसान मोर्चा के जिला महामंत्री

छ.ग.फ्रंटलाइन जरही। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा द्वारा संगठन को और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने के उद्देश्य से लवकेश पैकरा को जिला महामंत्री की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। लवकेश पैकरा वर्तमान में जिला पंचायत सदस्य के रूप में भी अपनी सेवाएं दे रहे हैं और क्षेत्र में एक सक्रिय, जुझारू एवं जनहित से जुड़े जनप्रतिनिधि के रूप में उनकी पहचान है।

इनके नियुक्ति की घोषणा होते ही भाजपा संगठन, किसान मोर्चा के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल देखने को मिला। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने उन्हें हार्दिक बधाई, शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वे संगठन द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी और कर्मठता के साथ करेंगे।

लवकेश पैकरा लंबे समय से किसानों की समस्याओं, कृषि विकास एवं ग्रामीण उत्थान से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाते रहे हैं।

जिला पंचायत सदस्य के रूप में उनके अनुभव का लाभ किसान मोर्चा को मिलेगा और संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूती प्रदान होगी। कार्यकर्ताओं का मानना है कि उनके नेतृत्व में किसान मोर्चा केंद्र एवं राज्य सरकार की किसान हितैषी योजनाओं, जैसे फसल बीमा योजना, किसान सम्मान निधि, सिंचाई एवं कृषि आधारित योजनाओं को गांव-गांव तक पहुँचाने में अहम भूमिका निभाएगा। साथ ही किसानों की समस्याओं को संगठन एवं शासन स्तर तक पहुंचाने में भी वे प्रभावी भूमिका निभाएंगे। लवकेश पैकरा की नियुक्ति से जिले में भाजपा किसान मोर्चा को नई ऊर्जा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। संगठन के भविष्य को लेकर सकारात्मक वातावरण बना हुआ है।

जिला स्तरीय जन समस्या निवारण शिविर में मिले 243 आवेदन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कलेक्टर अजीत वसंत के निर्देशानुसार व जिला पंचायत सीईओ विनय कुमार अग्रवाल के मार्गदर्शन में जनपद पंचायत सीतापुर के ग्राम पंचायत सरगा में जिला स्तरीय जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में जनपद पंचायत सदस्य शिवभरोस बेक, जनपद उपाध्यक्ष अनिल अग्रवाल, सभी जनपद सदस्य एवं अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ एसडीएम राम सिंह ठाकुर द्वारा दीप प्रज्ज्वलन करके किया गया। इसके बाद सभी विभागों द्वारा अपनी-अपनी योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों को दी गई और उनके द्वारा पूछे गए प्रश्नों का समाधान किया गया। एसडीएम राम सिंह ठाकुर ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी विभागों और उपस्थित जनप्रतिनिधियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

शिविर में प्रस्तुत आवेदन और उनका निराकरण

शिविर में कुल 243 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 39 आवेदन का तत्काल निराकरण किया गया। पशुधन विभाग के 03 आवेदन अपात्र होने के कारण अस्वीकृत किए गए, जबकि शेष 201 आवेदन जो स्थल पर निराकरण योग्य नहीं थे, उनका शीघ्र निराकरण करने का निर्देश अनुविभागीय अधिकारी ने संबंधित विभागों को दिया। विभिन्न विभागों द्वारा लाभ वितरण कार्यक्रम में विभिन्न विभागों द्वारा हितग्राहियों को लाभ प्रदान किया गया। कृषि विभाग द्वारा 14 कृषकों को मूंग बीज वितरण ,जनपद पंचायत और खाद्य विभाग द्वारा 28 हितग्राहियों को राशन कार्ड वितरित किए गए। महिला बाल विकास विभाग द्वारा 04 महिलाओं को गोद भराई कार्यक्रम के तहत किट प्रदान की गई। स्वास्थ्य विभाग द्वारा 06 हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड, मत्स्य विभाग द्वारा 02 हितग्राहियों को जाल, शिक्षा विभाग द्वारा जाति, निवास प्रमाण पत्र, पशुधन विभाग द्वारा 05 बेकयार्ड कुक्कुट के हितग्राहियों को इबर्ड एवं श्रम विभाग द्वारा 07 श्रम कार्ड वितरित किए गए।

रजत जयंती वर्ष में अभिव्यक्ति महिला सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

महिला थाना पुलिस ने बालिकाओं को गुड टच-बैड टच सहित अन्य बिंदुओं पर दी जानकारी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। महिलाओं-बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण के लिए रजत जयंती वर्ष 2025-26 के तहत 01 जनवरी से 11 जनवरी तक व्यापक जनजागरूकता अभियान शुरू किया गया है, इस जनजागरूकता अभियान का उद्देश्य महिलाओं एवं बच्चों को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों और कानूनों की जानकारी देकर आत्मनिर्भर और जागरूक बनाना है। अभियान के तारतम्य में महिला थाना पुलिस टीम द्वारा बालिका गृह तथा शक्ति सदन में पहुंचकर वहां उपस्थित महिलाओं एवं बच्चों को संयुक्त रूप से गुड टच-बैड टच, मानव तस्करी, नशा मुक्ति, बाल विवाह, बालश्रम, स्वास्थ्य, स्वच्छता के संबंध में विस्तृत जानकारी देकर जागरूक किया गया। बच्चों एवं महिलाओं को नवीन कानून से संबंधित जानकारी दी गई। नवीन कानून अंतर्गत महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों में दोषी को कठोर दंड दिए जाने के प्रावधान से अवगत कराया गया। महिला थाना पुलिस टीम द्वारा उपस्थित महिलाओं एवं बच्चों से उनका हाल-चाल पूछकर स्वास्थ्य संबंधी जानकारी ली गई। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं एवं बच्चों को किसी भी प्रकार की समस्या होने पर पुलिस टीम से संपर्क कर अपनी समस्या साझा करने, साथ ही आवश्यक टोल फ्री नंबर एवं पुलिस सहायता हेतु जारी नंबर डॉयल 112 एवं चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 में संपर्क करके जानकारी प्रदान करने कहा गया। महिलाओं एवं बच्चों को पुलिस टीम द्वारा सड़क सुरक्षा माह की जानकारी प्रदान करते हुए यातायात नियमों का पालन करने हेतु प्रोत्साहित किया गया। उपरोक्त कार्यक्रम में महिला थाना प्रभारी उपनिरीक्षक सुनिता भारद्वाज, शक्ति सदन संचालिका डॉ. मीरा शुक्ला, प्रधान आरक्षक संतोष गुप्ता, महिला प्रधान आरक्षक एंजेला मिंज, महिला आरक्षक सविता पैंकरा उपस्थित रहे।

एनआरएलएम कैडर्स के लिए वित्तीय साक्षरता एवं साइबर सुरक्षा पर जागरूकता कार्यशाला

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। आकांक्षी विकासखंड लखनपुर में शुक्रवार को कलेक्टर अजीत वसंत के मार्गदर्शन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय अग्रवाल के निर्देशन में केवरा क्लस्टर भवन में वित्तीय साक्षरता एवं साइबर सुरक्षा पर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम अंतर्गत डेवलपमेंट पार्टनर माइक्रोसेव कंपनी द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें लखनपुर विकासखंड की एनआरएलएम कैडर्स ने हिस्सा लिया।

इस दौरान माइक्रोसेव कंपनी के छत्तीसगढ़ राज्य समन्वयक खगेंद्र कुमार उपस्थित रहे। उन्होंने महिलाओं से संवाद करते हुए वित्तीय साक्षरता को दैनिक जीवन से जोड़कर समझाया तथा बचत, बैंकिंग सेवाओं के सही उपयोग, डिजिटल भुगतान, बीमा, पेंशन एवं सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सही वित्तीय योजना से महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त बन सकती हैं और स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ सकती हैं। कार्यशाला में साइबर क्राइम और साइबर सुरक्षा पर विशेष चर्चा की गई। खगेंद्र कुमार ने साइबर ठगी के विभिन्न तरीकों, फर्जी कॉल व मैसेज, ओटीपी एवं पासवर्ड साझा करने से होने वाले नुकसान की जानकारी दी। उन्होंने डिजिटल लेन-देन के दौरान सतर्कता बरतने, संदिग्ध लिंक से बचने तथा किसी भी प्रकार की साइबर ठगी होने पर तत्काल शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर जनपद पंचायत लखनपुर की मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. स्वेच्छा सिंह ने वित्तीय समावेशन एवं महिलाओं की वित्तीय सुरक्षा के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि वित्तीय जागरूकता से महिलाएं न केवल अपने परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत कर सकती हैं, बल्कि साइबर अपराधों से स्वयं को सुरक्षित भी रख सकती हैं। कार्यशाला में एबीपी फेलो शुभिता शुक्ला, एनआरएलएम के बीपीएम मनोज केसपोट्टा, एसी रूही सबा, एसी अजय तिर्की, एफपीओ के सीईओ सतीश सारथी, आईएफएस एंकर शिवम पाण्डेय सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय परीक्षा से डेढ़ माह पहले छात्रों पर थोपा 500 रुपये विलंब शुल्क

आजाद सेवा संघ ने 15 दिन में अधिसूचना वापस नहीं लेने पर दी विरोध प्रदर्शन की चेतावनी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय द्वारा मुख्य परीक्षा सत्र 2025-26 के लिए जारी नई अधिसूचना से छात्र जगत उद्वेलित है। विश्वविद्यालय प्रबंधन द्वारा 8 जनवरी को जारी अधिसूचना में अचानक निर्धारित 100 रुपये विलंब शुल्क को पांच गुना बढ़ाकर 500 रुपये कर दिया गया है। एक तरफ जहां सरकार शिक्षा को सुलभ बनाने की बात करती है, वहीं विश्वविद्यालय का यह फैसला विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों पर आर्थिक बोझ डालने वाला है। आजाद सेवा संघ के प्रदेश सचिव रचित मिश्रा ने विश्वविद्यालय के इस निर्णय को छात्र विरोधी बताते हुए कुलपति के नाम ज्ञापन सौंपा है। उन्होंने आरोप लगाया है कि विश्वविद्यालय प्रशासन बिना किसी ठोस आधार के ग्रामीण और आदिवासी अंचल के गरीब विद्यार्थियों की जेब पर डाका डालने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा है कि सामान्यतः विलंब शुल्क की वसूली तब की जाती है जब परीक्षा शुरू होने में 15 से 20 दिन का समय बचा हो और एडमिट कार्ड तैयार करने जैसी तकनीकी चुनौतियां हों। मुख्य परीक्षाओं में अभी लगभग डेढ़ महीने का लंबा समय शेष है। इसके बाद भी 500 रुपये विलंब शुल्क बढ़ाकर वसूलना किसी भी दृष्टिकोण से न्यायसंगत नहीं है। यहां अधिकांश विद्यार्थी वर्ग ग्रामीण परिवेश से आते हैं। इनके लिए सामान्य परीक्षा शुल्क जुटाना ही अपने आप में बड़ी चुनौती होती है। अचानक लिए गए इस फैसले से कई मेधावी छात्र आर्थिक तंगी की वजह से परीक्षा फॉर्म भरने से वंचित हो सकते हैं। उन्होंने कहा है कि विश्वविद्यालय को शिक्षण संस्थान की तरह व्यवहार करना चाहिए, न कि किसी व्यवसायिक संस्था की तरह जो सिर्फ राजस्व बढ़ाने पर केंद्रित हो। मांग की गई है कि 15 जनवरी तक भरे जाने वाले आवेदन पत्रों से विलंब शुल्क की अनिवार्यता को तत्काल प्रभाव से विलोपित किया जाए। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा अधिसूचना को समय रहते वापस नहीं लेने पर संभाग के हजारों विद्यार्थियों के साथ उनके हक में विरोध प्रदर्शन करने की चेतावनी दी गई है।

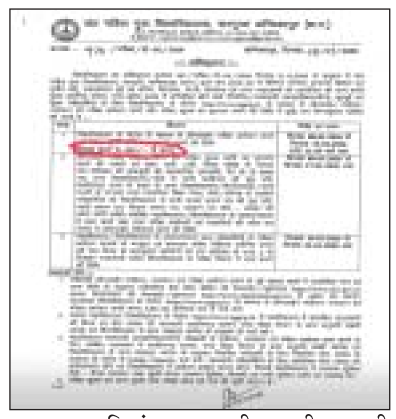

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर